RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 214 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 02-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ममता सरकार ने घुसपैठियों को पहचान पत्र मुहैया कराए : गिरिराज

6 तेल, ताकत और सत्ता समीकरण साधने में जल उठा मध्य-पूर्व

7 जेल से बाहर आने के बाद राजपाल यादव ने शुरू की नई पारी

फर्स्ट टेक

15 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

महासमुंद/भाषा। माओवादियों के संगठन में विशेष क्षेत्रीय समिति स्तर के सदस्य विकास सहित पंद्रह नक्सलियों ने रविवार को महासमुंद जिले में सुरक्षाकर्मियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में नौ महिलाएं भी शामिल हैं। ये नक्सली प्रतिबंधित संगठन के बालांगीर-बरगढ़-महासमुंद डिवीजन से संबंधित थे और छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर सक्रिय थे।

ईरानी नौसेना के नौ जहाजों को नष्ट किया गया : ट्रंप

दुबई/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरानी नौसेना के नौ जहाजों को नष्ट कर दिया गया है। ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर कहा कि जहाज ''नष्ट'' हो गए हैं और डूब गए हैं और इनमें से कुछ अपेक्षाकृत बड़े तथा महत्वपूर्ण थे। ट्रंप ने कहा कि ईरान के बाकी सैन्य पोत भी ''जल्द ही समुद्र की तलहटी में तैरते नजर आएंगे!'' राष्ट्रपति ने कहा कि एक अन्य हमले में ईरान का नौसेना मुख्यालय ''लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गया''।

ईरान में स्कूल में हुए हमले में मृतकों की संख्या 165 हुई

दुबई/एपी। ईरान के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक बालिका स्कूल पर हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 165 हो गई है। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। इजराइली सेना ने कहा कि उसे उस क्षेत्र में किसी भी हमले की जानकारी नहीं है, और अमेरिकी सेना ने कहा कि वह रिपोर्ट की जांच कर रही है। सरकारी समाचार एजेंसी 'आईआरएनए' ने एक स्थानीय अभियोजक के हवाले से बताया कि हमले में 96 अन्य लोग घायल हुए हैं।

ओमान के तट पर तेल टैंकर पर हमला

नई दिल्ली/भाषा। ओमान के तट के पास भारतीय चालक दल के 15 सदस्यों वाले तेल टैंकर पर हमला हुआ है जिसमें चार व्यक्ति घायल हो गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र के अनुसार तेल टैंकर 'स्काईलाइट' पर ओमान के मुसंदम प्रांत के पास तट से लगभग पांच समुद्री मील उत्तर में हमला किया गया। केंद्र ने बताया कि तेल टैंकर पर पालाऊ का ध्वज अंकित था। केंद्र ने कहा कि हमले में 20 सदस्यीय चालक दल को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया। केंद्र के अनुसार चालक दल में 15 भारतीय और पांच ईरानी नागरिक शामिल थे।

02-03-2026 सूर्यास्त 6:28 बजे | 03-03-2026 सूर्योदय 6:34 बजे

BSE	NSE
81,287.19	25,178.65
(-961.42)	(-317.90)

सोना	चांदी
17,821 रु.	305,070 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फितरत हमारी

कितने ही कानून बना दो,
हम धाराएं तोड़ेंगे।
चाहे भर देंगे जुर्माना,
या ले-दे के छोड़ेंगे।
किनकी जेबें होगी भारी,
किनके बाल झिंझोड़ेंगे।
सिस्टम के नाकारापन पर,
सिर्फ ठीकरा फोड़ेंगे।।

'केंद्र का लक्ष्य तमिलनाडु का विकास'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र का सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है और उन्होंने साथ ही आश्वासन दिया कि केंद्र समावेशी विकास और राज्य की प्रगति को सक्षम बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यहां 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा, हमारा सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। प्रत्येक भारतीय 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरित है। तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु का समृद्ध इतिहास है और आदिचनल्लूर जैसे ऐतिहासिक स्थलों को वैश्विक धरोहर स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वंदे भारत की 9 ट्रेनों और अमृत भारत की 9 ट्रेनों से तमिलनाडु के लोगों को लाभ हुआ है और इनके डिब्बों का निर्माण आईसीएफ में किया गया था।

उनके अनुसार, रेलवे एक आधुनिक, कुशल और जन-केंद्रित परिवहन प्रणाली के रूप में उभर रहा था और यह तमिलनाडु में स्पष्ट रूप से दिखाई देता था। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्य राष्ट्रीय राजमार्गों के मरकन्नम-पुदुचेरी खंड तथा परमाकुड़ी-रमणाथपुरम खंड को चार लेन बनाने की आधारशिला रखी। उन्होंने तमिलनाडु में आठ पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया और चेन्नई बीच-चेन्नई एग्मोर चौथी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की।

उन्होंने तमिलनाडु में प्रसारण सेवाओं को और मजबूत करने और क्षेत्रीय कवरेज का विस्तार करने, निर्बाध एफएम प्रसारण सुनिश्चित करने और राज्य के कई जिलों में सार्वजनिक प्रसारण सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए कुंभकोणम, येरकौड और वेल्लोर में तीन नए आकाशवाणी एफएम रिले ट्रांसमीटरों का उद्घाटन किया।

गरीबों का हक छीन रही है द्रमुक : प्रधानमंत्री मोदी

मदुरै। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर आरोप लगाया कि वह गरीबों, युवाओं और किसानों का हक छीन रही है और ऐसी भ्रष्ट सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। चेन्नई के पास मदुरंथकम में 23 जनवरी की रैली के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की दूसरी बड़ी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जनता तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को फिर से सत्ता में लाने का फैसला कर चुकी है।

उन्होंने साफ-सुथरी छवि, सुशासन वाली सरकार बनाने का भरोसा दिया। तमिलनाडु में राजग का नेतृत्व अन्नाद्रमुक करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, द्रमुक गरीबों, युवाओं और किसानों का हक छीन रही है; ऐसी भ्रष्ट सरकार को सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने द्रमुक और उसकी सहयोगी कांग्रेस पर कच्चातीवु द्वीप छोड़ने का भी आरोप लगाया। मोदी ने कहा, कांग्रेस ने तमिलनाडु से बदला लिया और कच्चातीवु दे दिया। फिर द्रमुक ने कुछ नहीं किया। इसके अलावा उन्होंने केंद्र में रहते हुए कांग्रेस-द्रमुक गठबंधन पर जल्लीकट्टु पर प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने इस प्रतिबंध को हटाया और साथ ही साथ तमिल संस्कृति के प्रति सम्मान दिखाते हुए संसद में सेंगोल स्थापित किया।

पुंछ में सीमा पार से घुसा पाकिस्तानी ड्रोन, सेना ने की गोलीबारी

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करके भारतीय सीमा में घुसे एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराने के लिए सेना के जवानों ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन डिगवार क्षेत्र में कुछ देर मंडराने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लौट गया। पिछले तीन दिनों में यह दूसरी बार था जब सीमा पार से ड्रोन की गतिविधि का पता चलने के बाद जवानों ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि अग्रिम चौकी पर तैनात सैनिकों ने सुबह करीब छह बजकर 10 मिनट पर दुश्मन के ड्रोन को देखा और उसे गिराने के लिए 12 से अधिक गोलियां चलायीं। हालांकि, ड्रोन गोलीबारी से बच निकला और तुरंत वापस लौट आया।

संघर्ष क्षेत्र में फंसे भारतीयों को वापस लाने के प्रयास जारी : केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी

चिक्कमगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और उन्होंने स्थिति को ''अस्थिर'' बताया। चिक्कमगलुरु के रामभापुरी मठ में पत्रकारों से जोशी ने कहा कि वह इस मामले को नयी दिल्ली में संबंधित मंत्रियों के समक्ष उठाएंगे। जोशी ने कहा, ''वहां (पश्चिम एशिया में) मुश्किल परिस्थितियां हैं। मुझे पता चला है कि कन्नड़ भाषी लोग फंसे हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं आज दिल्ली जाऊंगा और संबंधित मंत्रियों से बात करूंगा। वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।'' पूर्व में चलाए गए बचाव अभियानों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा, ''मोदी सरकार के कार्यकाल में हम युद्ध के दौरान सभी को सफलतापूर्वक वापस लेकर आए हैं।'' उन्होंने क्षेत्र में हालात के अस्थिर होने की चेतावनी भी दी।

विस्फोटक पदार्थ बनाने वाले कारखाने में धमाके में 17 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में विस्फोटक पदार्थ बनाने वाले एक कारखाने में रविवार सुबह हुए शक्तिशाली धमाके में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। यह घटना आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट के एक दिन बाद हुई है, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट कटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक कार्यों के लिए विस्फोटक पदार्थ बनाने वाली कंपनी 'एसबीएल एनर्जी लिमिटेड' के कारखाने में हुआ।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए।

शव बुरी तरह जल चुके हैं और उनकी पहचान करना असंभव है। मृतकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए परिवार के सदस्यों के नमूने डीएनए परीक्षण के वास्ते लिए जा रहे हैं।

पीड़ितों के शोक संतप्त परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों के बारे में जानने की उम्मीद में जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित कारखाने परिसर में उमड़ पड़े।

सलीम वास्तिक पर हमला करने का आरोपी मुठभेड़ में मारा गया

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद जिले के लोनी थाना इलाके में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हमला करने का एक ईनामी आरोपी पुलिस के साथ मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार देर शाम यह जानकारी दी। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमला करने वाला एक लाख रुपये का इनामी अभियुक्त जीशान पुलिस मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में लोनी थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) मुकेश सिंह सोलंकी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि अस्पताल में उपचार के दौरान आरोपी जीशान की मौत हो गई।

शिक्षा को पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम (केरल)/भाषा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि शिक्षा को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर छात्रों में आलोचनात्मक सोच, सहानुभूति, लचीलापन और ईमानदारी विकसित करनी चाहिए।

वे जिले के पथानापुरम में स्थित सेंट स्टीफंस हायर सेकेंडरी स्कूल के शताब्दी समारोह का उद्घाटन कर रहे थे।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने 100 वर्ष पूरे होने को एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताया, जिसे बहुत कम संस्थानों ने हासिल किया है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस विद्यालय ने एक शताब्दी के दौरान विचारों को आकार देने, चरित्र का निर्माण करने और भविष्य संवारने का कार्य किया है। इसकी कई पीढ़ियां जिम्मेदार नागरिकों, नेताओं, पेशेवरों और संवेदनशील इंसानों के रूप में आगे बढ़ी हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी संस्था की असली ताकत उसके ढांचे में नहीं बल्कि उसके मूल्यों में निहित होती है, और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उत्सव केवल अतीत के बारे में ही नहीं बल्कि भविष्य के बारे में भी है।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार से प्रेरित तेजी से बदलती दुनिया में, शिक्षा को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर आलोचनात्मक सोच, सहानुभूति, लचीलापन और ईमानदारी को बढ़ावा देना चाहिए।

इजराइली सेना के 'सटीक और व्यापक' अभियान में

मारे गए ईरान के खामेनेई : आईडीएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को एक सटीक, व्यापक अभियान में निशाना बनाया गया और आतंकी गठजोड़ के नेता के खात्मे के साथ दशकों पुराने एक अध्याय का अंत हो गया है। यह बात इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार को कही। आईडीएफ ने औपचारिक घोषणा की कि उसने शनिवार को तेहरान में एक हवाई हमले में खामेनेई को मार गिराया और हमले का विवरण साझा किया।

इजराइल और अमेरिका ने शनिवार तड़के ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए, जिनमें दर्जनों सैन्य ठिकानों पर हमले शामिल हैं। ये हमले इजराइल के अस्तित्व के लिए समय के साथ उत्पन्न होने वाले खतरों को समाप्त करने के उद्देश्य से (ईरानी) शासन के खिलाफ व्यापक, समन्वित और संयुक्त आक्रमण के हिस्से के रूप में किए गए।

इजराइली सेना ने रविवार को एक बयान में कहा, ''अली खामेनेई को इजराइली वायुसेना द्वारा किए गए एक सटीक, व्यापक अभियान में निशाना बनाया गया जो आईडीएफ की सटीक खुफिया जानकारी द्वारा निर्देशित था। यह हमला तब किया गया जब वह तेहरान के मध्य स्थित अपने केंद्रीय नेतृत्व परिसर में अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ थे।''

बयान में कहा गया है, ''वर्ष 1989 से इस्लामी गणराज्य के सर्वोच्च नेता रहे खामेनेई कई वर्षों तक ईरानी नागरिकों के हिंसक दमन के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार थे।''

ईरान ने इजराइल और खाड़ी देशों पर मिसाइलें दागीं

दुबई/एपी। ईरान ने रविवार को इजराइल और खाड़ी अरब देशों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इजराइल और अमेरिका के हमले में अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु के बाद उसने दोनों देशों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई का संकल्प जताया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान हमले तेज नहीं करे, वरना अमेरिका ''ऐसी ताकत के साथ जवाब देगा जो पहले कभी नहीं देखा गया होगा।'' ईरान ने शनिवार को तेहरान स्थित खामेनेई के कार्यालय पर हुए इजराइल-अमेरिका के हवाई हमले में 86 वर्षीय खामेनेई की मौत हो गई।

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद

भारत के कई हिस्सों में प्रदर्शन हुए

श्रीनगर/लखनऊ/भाषा। अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत होने के बाद कश्मीर से लेकर कर्नाटक तक, भारत के विभिन्न हिस्सों में शिया समुदाय के लोग रविवार को सड़कों पर उतर आए और उन्होंने इस घटनाक्रम पर आक्रोश एवं दुख व्यक्त किया।

इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमलों के दौरान खामेनेई की शनिवार को तेहरान में एक हवाई हमले में मौत हो गई। ईरानी सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी पुष्टि की, जिसके बाद भारत समेत दुनिया भर में विरोध-प्रदर्शन एवं मातम की लहर शुरू हो गई।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि कश्मीर के लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए। कश्मीर में करीब 15 लाख शिया हैं।

प्रदर्शनकारियों को अपना सीना पीटते और अमेरिका एवं इजराइल के खिलाफ नारे लगाते देखा गया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान में जारी घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई और व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के बीच शांति बनाए रखने की अपील की।

वेस्टइंडीज को हराकर भारत सेमीफाइनल में

कोलकाता/भाषा। संजू सैमसन ने 'संकटमोचक' की भूमिका निभाते हुए नाबाद 97 रन बनाये जिसकी मदद से भारत ने 'क्वार्टर फाइनल' की तरह रहे टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में रविवार को वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जहां पांच मार्च को उसका सामना इंग्लैंड से होगा । दूसरे सेमीफाइनल में चार मार्च को दक्षिण अफ्रीका की टक्कर न्यूजीलैंड से होगी।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर चार विकेट पर 194 रन बनाये । खचाखच भरे ईडन गार्डस पर भारत के फॉर्म में चल रहे सभी बल्लेबाज नाकाम रहे लेकिन संजू ने संभवत: अपने कैरियर की सबसे यादगार पारी खेलकर वेस्टइंडीज के जीत के अश्वमेधी अभियान में नकेल कसी ।

अभिषेक शर्मा (11 गेंद में 10 रन) एक बार फिर न सिर्फ बल्ले से नाकाम रहे बल्कि उन्होंने दो कैच भी टपकाये जबकि ईशान किशन भी दस रन बनाकर आउट हो गए । कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 16 गेंद में 18 और तिलक वर्मा ने 15 गेंद में 27 रन बनाये । वहीं हार्दिक पंड्या 14 गेंद में 17 रन ही बना सके।

वहीं संजू ने 50 गेंद की पारी में 12 चौके और चार छक्के लगाये और सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरकर 'फिनिशर' की भूमिका निभाकर लौटे । भारत ने चार गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की । संजू ने 19वें ओवर में रोमारियो शेफर्ड को स्क्वेयर लेग में छक्का लगाया और अगली गेंद पर चौका जड़ दिया।

इसके साथ ही इस मैदान पर 2016 टी20 विश्व कप जीतने वाली कैरेबियाई टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई । जीत के बाद स्टैंड से ' मां तुझे सलाम' और 'चक दे इंडिया' जैसे गानों के बीच सैमसन घुटने के बल बैठे, हेलमेट उतारा और ईश्वर को याद किया ।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की हमले में मौत के बाद कश्मीर में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में रविवार को श्रीनगर समेत कश्मीर के कई हिस्सों में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शिया बहुल इलाकों में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्वक सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका तथा इजराइल के विरोध में नारेबाजी की। ईरान की सरकारी मीडिया ने रविवार तड़के पुष्टि की कि इजराइल और अमेरिका के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि घाटी के लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा इलाकों में विरोध प्रदर्शन हुए। कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई की क्रूर हत्या किए जाने से मैं बेहद दुखी और आक्रोशित हूं, इस घटना ने मुस्लिम जगत को झकझोर दिया है। जम्मू कश्मीर के लोग सामूहिक रूप से इस क्रूरता और ईरान के खिलाफ जारी आक्रामकता के साथ-साथ मीनाब में निर्दोष छात्राओं के कत्लेआम की निंदा करते हैं।'' उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोग ईरान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। मीरवाइज ने कहा, ''दुख की इस घड़ी में हम ईरान के लोगों के साथ हैं। अल्लाह पीड़ितों को शक्ति प्रदान करे, शहीदों को ऊंचा दर्जा मिले और इस अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों को शीघ्र सजा मिले।''

पंजाब में धर्मांतरण हो रहा है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि पंजाब में धर्मांतरण हो रहा है और उन्होंने भगवंत मान सरकार और आम लोगों से लालच से प्रेरित इस चलन को रोकने की अपील की।

शाह ने नवी मुंबई के खारघर में गुरु तेग बहादुर की 350वीं बरसी के उपलक्ष्य में आयोजित 'हिंद-दी-चादर' स्मृति कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरु तेग बहादुर के बलिदान का स्मरण किया। शाह ने कहा, आज यहां कहा जा रहा है कि पंजाब में धर्मांतरण हो रहा है। गुरु तेग बहादुर ने दूसरों के धर्मों को बचाने के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया। उन्होंने अत्याचार सहे, लेकिन आज हम अगर कुछ लालच के कारण धर्म परिवर्तन करना पसंद करते हैं, तो हम अपने महान नेताओं के अनुयायी नहीं कहला सकते। पंजाब सरकार और पंजाब के समाज को धर्म परिवर्तन रोकना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार, समाज और सभी धर्मों के लोगों को वहां हो रहे धर्मांतरण को रोकना होगा। शाह ने कहा कि अगर गुरु तेग बहादुर ने हिंदू धर्म को बचाने के लिए अपना बलिदान न दिया होता, तो दुनिया में एक भी हिंदू नहीं बचता। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने पहले इस कथन पर आपत्ति जताई थी, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी को इस सत्य को स्वीकार करना चाहिए।

आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है भारत का इस्पात उद्योग : सेल निदेशक

नई दिल्ली/भाषा। एक और जहां वैश्विक स्तर पर और चीन के इस्पात बाजार में गिरावट देखी जा रही है, वहीं भारत का इस्पात उद्योग लगभग आठ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर बनाए हुए है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'एडवांस्ड रोलिंग टेक्नोलॉजी' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएमएमएस 2026) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सेल के निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक - अतिरिक्त प्रभार) ए के पांडा ने कहा कि देश में इस्पात उत्पादन की क्षमता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने अनुमान जताया कि अगले तीन-चार वर्षों में यह क्षमता 15 करोड़ टन प्रति वर्ष से बढ़कर 30 करोड़ टन हो जाएगी। पांडा ने कहा कि सेल समेत देश की सभी बड़ी इस्पात कंपनियां विस्तार योजनाओं पर बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) दिल्ली चैप्टर द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में आईजीएम दिल्ली के चेयरमैन मनोरंजन राम ने उद्योग की चुनौतियों को दूर करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और सौर ऊर्जा जैसी नई प्रौद्योगिकी के उपयोग को अनिवार्य बताया।

भाजपा के सत्ता से बाहर होने की उलटी गिनती शुरू हो गई है : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत द्वारा आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त किए जाने के 48 घंटे बाद, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता से बाहर जाने की उलटी गिनती शुरू हो गई है। यहां जंतर-मंतर पर पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने प्रधानमंत्री और शाह पर आबकारी नीति मामले में उन्हें फंसाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अदालत ने अपने हालिया 'ऐतिहासिक' फैसले में साबित कर दिया है कि वह कट्टर ईमानदार व्यक्ति हैं। दिल्ली की एक अदालत ने दो दिन पहले ही कथित आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बड़ी राहत प्रदान की। कई राज्यों से आए पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री को हर किसी से डर लगता है। उन्होंने कहा कि जब एक तानाशाह डरता है, तो यह उसके शासन के अंत का संकेत होता है।

राष्ट्रपति मुर्मू बसों में महिलाओं के मुफ्त सफर के लिए 'पिंक कार्ड' परियोजना की शुरुआत करेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार सोमवार को 'पिंक नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' (एनसीएमसी) योजना की शुरुआत करेगी। इस पहल का उद्देश्य राजधानी में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा प्रदान करना और एक ही स्मार्ट कार्ड के माध्यम से कई सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करना है। एक बयान के अनुसार, इस योजना की औपचारिक शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' नाम के कार्यक्रम में की जाएगी।

इसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति होली व दिवाली के अवसर पर दिल्ली के सभी राशन कार्ड धारक परिवारों को प्रतिवर्ष दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर प्रदान करने की योजना की भी औपचारिक शुरुआत करेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार, यह सुविधा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। बयान के मुताबिक, एक एलपीजी सिलेंडर की मौजूदा कीमत के बराबर राशि उस परिवार के मुखिया के आधार से जुड़े बैंक खाते में जमा की जाएगी, जिसके नाम पर राशन कार्ड जारी किया गया है। बयान में बताया गया कि इस योजना से लगभग 15 लाख राशन कार्ड धारक परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे खाना पकाने के ईंधन के खर्च का बोझ कम होगा और परिवार सम्मान व आराम से त्यौहार मना सकेंगे। रेखा गुप्ता ने कहा कि पिंक कार्ड से दिल्ली की महिला निवासियों को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा मिलेगी, साथ ही इसका उपयोग मेट्रो, क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में सशुल्क यात्रा के लिए भी किया जा सकेगा।

ईरान-इजराइल संघर्षः सीबीएसई ने प. एशिया क्षेत्र में कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कीं

नई दिल्ली/भाषा। ईरान-इजराइल संघर्ष के मद्देनजर, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने रविवार को पश्चिम एशिया क्षेत्र में दो मार्च को होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सोंबहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरातमें मौजूदा स्थिति के कारण, बोर्ड ने दो मार्च को होने वाली कक्षा 10 और 12 की परीक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया है।

भारद्वाज ने बताया कि नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा। उन्होंने कहा, बोर्ड तीन मार्च को स्थिति की समीक्षा करेगा और पांच मार्च से निर्धारित परीक्षाओं के संबंध में उचित निर्णय लेगा।

जीएसटी संग्रह फरवरी में 8.1% बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा

नई दिल्ली/भाषा। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह फरवरी में सालाना आधार पर 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। आयात से प्राप्त राजस्व में उच्च वृद्धि और घरेलू बिक्री में सुधार का इस बढ़ोतरी में मुख्य योगदान रहा। इस दौरान सकल घरेलू राजस्व 5.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.36 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि आयात से सकल राजस्व 17.2 प्रतिशत बढ़कर 47,837 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

कुल शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 7.9 प्रतिशत अधिक है। कुल रिफंड 10.2 प्रतिशत बढ़कर 22,595 करोड़ रुपए रहा।शुद्ध उपकर राजस्व 5,063 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल फरवरी में 13,481 करोड़ रुपए था। सितंबर, 2025 से लगभग 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की गई थी। साथ ही पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत के चार कर स्लैब को मिलाकर पांच और 18 प्रतिशत के दो स्लैब बनाए गए थे। इसके अलावा कुछ चुनिंदा अति-विलासिता की वस्तुओं और तंबाकू उत्पादों के लिए अधिकतम 40 प्रतिशत का स्लैब रखा गया था।

खामेनेई की हत्या 'अनैतिक और गैर-कानूनी कृत्य': ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों की निंदा करते हुए रविवार को सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की 'हत्या' को 'अनैतिक और गैर-कानूनी कृत्य' करार दिया।

हैदराबाद के सांसद ने कहा कि क्षेत्रीय अस्थिरता रोकने के लिए ईरान पर हमले तुरंत बंद होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में एक करोड़ भारतीय काम करते हैं। ओवैसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ट्रंप-इजराइल (अमेरिका और इजराइल) द्वारा ईरान पर किए गए हमले पूरी तरह से निंदनीय हैं।

यह विशेष रूप से तब हुआ जब जिनेवा में ईरान-अमेरिका वार्ता जारी थी। ईरान भर में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें एक बालिका विद्यालय पर हुए हमले में मारे गए 108 लोग भी शामिल हैं। अयातुल्ला खामेनेई की हत्या एक अनैतिक और गैरकानूनी कृत्य है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि ईरान पर इजराइल का हमला और अफगानिस्तान पर पाकिस्तान का हमला यह दर्शाता है कि इजराइल एवं पाकिस्तान अपने-अपने पड़ोस में 'आक्रामकता एवं उपद्रव' की ताकतें हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की इजराइल और अमेरिका के एक बड़े हमले में मौत हो गई। अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान पर एक बड़ा हमला शुरू किया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी जनता से राज्य की सत्ता की बागडोर अपने हाथों में लेने और 1979 से उनके देश पर शासन कर रहे इस्लामी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने का आह्वान किया था।

फारूक अब्दुल्ला ने खामेनेई की हत्या को क्षेत्र को अस्थिर करने वाला घटनाक्रम बताया

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर 'गहरा दुख' व्यक्त किया।

सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''अब्दुल्ला ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की है और इसे एक दुखद तथा अस्थिर करने वाला घटनाक्रम बताया, जिसका क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाएं अनिश्चितता और शोक को गहरा करती हैं। उन्होंने विवेक, संयम और न्याय तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के पालन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। अब्दुल्ला ने शांति की अपील की और प्रशासन से स्थिति को संवेदनशीलता और विवेक के साथ संभालने का आग्रह किया।

जरूरत पड़ने पर ईरान और खाड़ी देशों से तेलुगु भाषी लोगों को वापस लाने के लिए तैयार : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को ईरान व खाड़ी देशों में रहने वाले तेलुगु भाषी लोगों को अत्यधिक सतर्क रहने की सलाह दी और कहा कि राज्य सरकार आवश्यकता पड़ने पर उन्हें वापस लाने के लिए केंद्र सरकार के साथ समन्वय करेगी। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, युद्ध की खबरों के मद्देनजर रेड्डी ने ईरान में फंसे लोगों को सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने और उन देशों में भारतीय दूतावासों द्वारा जारी परामर्श व चेतावनियों का नियमित रूप से अनुसरण करने का आग्रह किया। विज्ञप्ति में कहा गया, मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में, राज्य सरकार केंद्र सरकार के साथ समन्वय कर आवश्यकता पड़ने पर तेलुगु भाषी लोगों को सुरक्षित वापस लाएगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ईरान और अन्य खाड़ी देशों में रहने वाले तेलंगानावासियों की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

रेड्डी ने अधिकारियों को सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार के समन्वय से उचित कदम उठाने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को उन देशों में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के संपर्क में रहने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना के लोगों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने सभी की सुरक्षा की कामना की।

ओला इलेक्ट्रिक ने 'ओला इनसाइडर्स' पहल की शुरुआत की, ग्राहकों को मिलेगा 50,000 रुपए तक का लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ई-स्कूटर विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने रविवार को अपने देश भर के 10 लाख से अधिक ग्राहकों के लिए एक विशेष सामुदायिक कार्यक्रम 'ओला इनसाइडर्स' शुरू करने की घोषणा की।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस पहल के तहत समुदाय के सदस्यों को वाहन के नए मॉडल लेने (अपग्रेड), अतिरिक्त वाहन की खरीद और रेफरल (अन्य लोगों को जोड़ने) पर विभिन्न लाभ प्रदान किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मौजूदा ग्राहक अपने पुराने स्कूटर को 'अपग्रेड' कर सकते हैं, जिसके तहत उन्हें नवीनतम 'जेन 3 एस1' पोर्टफोलियो और 'रोडस्टर' मोटरसाइकिल (4680 भारत सेल संस्करणों सहित) की खरीद पर 50,000 रुपए तक के लाभ दिए जाएंगे। इसके अलावा ओला के मौजूदा ग्राहक उसी पंजीकृत नाम से दूसरा ओला वाहन खरीदने पर 20,000 रुपए तक के अतिरिक्त लाभ उठा सकते हैं।

कंपनी के अनुसार, ग्राहक 'रेफरल' के माध्यम से सफल डिलिवरी होने पर 5,000 रुपए तक के 'ओला क्रेडिट' भी अर्जित कर सकते हैं। साथ ही, नया वाहन खरीदने वाले व्यक्ति को भी 1,000 रुपए का कैशबैक मिलेगा।

ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, ''10 लाख से अधिक चालकों के साथ हमारा समुदाय हमारी यात्रा का आधार बना हुआ है। 'ओला इनसाइडर्स' के माध्यम से हम एक व्यवस्थित स्वामित्व कार्यक्रम पेश कर रहे हैं, जो न केवल वाहनों के अद्यतन को सुगम बनाता है, बल्कि देश में इलेक्ट्रिक परिवहन के विस्तार में भी सहायक होगा।'' ओला इलेक्ट्रिक वर्तमान में 'जेन 3 एस1' स्कूटर और 'रोडस्टर एक्स' मोटरसाइकिल की विस्तृत श्रृंखला की बिक्री करती है।

दिल्ली पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के आरोप में 27 लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने एक सप्ताह तक चले अखिल भारतीय अभियान के बाद 11 राज्यों से 1.5 करोड़ रुपए से अधिक के साइबर धोखाधड़ी मामलों के सिलसिले में 27 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी कम से कम 10 बड़े साइबर धोखाधड़ी मामलों में शामिल थे, जिनकी कुल राशि 1.5 करोड़ रुपए से अधिक थी जबकि उनके संदिग्ध बैंक खातों की जांच से 13.91 करोड़ रुपए से अधिक के लेनदेन का पता चला। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज की गई लगभग 150 शिकायतें आरोपियों द्वारा कथित तौर पर संचालित मोबाइल नंबरों और बैंक खातों से जुड़ी हुई हैं। ये साइबर गिरोह निवेश धोखाधड़ी, एपीके फाइल धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पर प्रतिरूपण, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, कार्य-आधारित धोखाधड़ी और वीजा संबंधी धोखाधड़ी में लिप्त थे। पुलिस ने उन्हें ढूंढने और गिरफ्तार करने के लिए कई टीमें गठित कीं और जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उप्र, दिल्ली, हरियाणा, मप्र, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और प. बंगाल सहित 11 राज्यों में छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

ईरान संकटः चावल निर्यातकों को शिपिंग लागत का जोखिम खरीदारों पर डालने की सलाह

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में बिगड़ते सुरक्षा हालातों और होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से आवाजाही बाधित होने की आशंका के बीच इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) ने अपने सदस्यों को ईरान और खाड़ी के कुछ हिस्सों के लिए नए सीआईएफ (लागत, बीमा और माल ढुलाई) सौदों से बचने की सलाह दी है।

फेडरेशन ने रविवार को जारी एक परामर्श में निर्यातकों से कहा है कि जहां तक संभव हो वे एफओबी (फ्री ऑन बोर्ड) शर्तों पर काम करें। इस व्यवस्था के तहत अंतरराष्ट्रीय खरीदार माल ढुलाई, बीमा और संबंधित जोखिमों को वहन करता है, जिससे भारतीय निर्यातक निश्चित मूल्य वाले अनुबंधों पर अचानक बढ़ने वाली लागत के जोखिम से बच जाते हैं।

निर्यातकों के निकाय ने चेतावनी दी, ईरान और यूएई के घटनाक्रम 'बंकर' (मालवाहक जहाजों में प्रयुक्त ईंधन) की कीमतों को बढ़ा सकते हैं... कम समय के नोटिस पर कंटेनर और बल्क फ्रेट में भारी वृद्धि हो सकती है। साथ ही, बीमा प्रीमियम में भी तेज उछाल की आशंका जताई गई है।

भारत के चावल निर्यात के लिए यह संकट काफी बड़ा है, क्योंकि अफ्रीका और पश्चिम एशिया को होने वाला निर्यात कुल राष्ट्रीय चावल निर्यात का लगभग आधा हिस्सा है। अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान, पश्चिम एशिया को 39 लाख टन और अफ्रीका को 71.6 लाख टन चावल भेजा गया।

अदालत ने युवा कांग्रेस के अध्यक्ष की जमानत पर रोक लगाई, कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय युवा कांग्रेस ने रविवार दोपहर शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और अन्य सदस्यों की रिहाई की मांग को लेकर शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया। युवा कांग्रेस के इन सदस्यों को 'एआई इंपैक्ट समिट' के दौरान कमीजें उतार कर विरोध प्रदर्शन करने के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली की एक अदालत ने चिब को दी गई जमानत पर रोक लगा दी थी जिसके एक दिन बाद कार्यकर्ताओं ने यह विरोध प्रदर्शन किया। एक मजिस्ट्रेट अदालत ने चिब को रिहा करने का आदेश दिया था और कहा था कि जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार 'भारतीय संविधान की आत्मा' है।

युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 'जब प्रशासनिक दबाव हावी हो जाता है, तो न्याय भी डगमगाने लगता है'। युवा कांग्रेस की मीडिया टीम के सदस्य रजा अहमद ने कहा, हालांकि हम न्याय के जरिये जीत रहे हैं लेकिन प्रशासन से बार-बार हार रहे हैं। इसलिए हमारा सत्याग्रह जारी रहेगा और इन मुद्दों को इस आंदोलन के हिस्से के रूप में उठाया जाएगा।

अहमद ने बताया कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं को भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा, उदय भानु को शनिवार तड़के जमानत मिल गई थी और जमानत मुचलका जमा भी कर दिया गया था। लेकिन बाद में हमें बताया गया कि उन्हें सत्यापन के लिए एक दिन की हिरासत में भेजा गया है। फिर शाम तक हमें बताया गया कि जमानत मुचलका रद्द कर दिया गया और उन्हें पांच दिन की रिमांड पर भेजा जा रहा है।

अहमद ने दावा किया, मीडिया में खबर आने के कम से कम एक घंटे बाद आधिकारिक फोन आया। शनिवार को चिब को जमानत मिलने के कुछ घंटों बाद दिल्ली पुलिस की याचिका पर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित बंसल ने आदेश पर रोक लगा दी और मामले की सुनवाई छह मार्च को तय की।

ईंधन उत्सर्जन के नए नियमों पर आम सहमति के बाद ही आगे बढ़ेगी सरकारः मनोहर लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को कहा कि सरकार वाहन विनिर्माताओं के लिए 'कैफे-3' नियमों को लागू करने से पहले सभी पक्षों के साथ आम सहमति बनाएगी। ये नियम किसी वाहन निर्माता के सभी मॉडल में औसत ईंधन खपत और कार्बन उत्सर्जन को सीमित करने के लिए तैयार किए गए हैं। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा प्रस्तावित 'कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी-3' (कैफे-3) नियमों को एक अप्रैल, 2027 से 31 मार्च, 2032 तक प्रभावी बनाने का प्रस्ताव है। सरकार ने इस मसौदे पर संबंधित पक्षों से राय मांगी है।

इन नियमों को लागू करने के ढांचे पर वाहन विनिर्माताओं के विचार बंटे हुए हैं। कुछ कंपनियां वजन और कम कीमत के आधार पर छोटी कारों के लिए उत्सर्जन मानकों में ढील की मांग कर रही हैं। वहीं, इस ढील का विरोध करने वालों का

तर्क है कि इससे सुरक्षा मानकों से समझौता होगा और देश के स्वच्छ ऊर्जा अभियान में बाधा आएगी। सितंबर, 2025 में चर्चा के लिए लाए गए नियमों के मसौदे में उन छोटी कारों के लिए मानकों में ढील देने का सुझाव दिया गया था, जिनका कुल वजन 909 किलोग्राम तक, इंजन क्षमता 1200 सीसी से कम और लंबाई 4000 मिलीमीटर (चार मीटर) से अधिक नहीं है।

बीईई के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिजली मंत्री ने कहा, ''विभिन्न प्रकार के उपभोक्ता हैं और सरकार को उनसे परामर्श करना होगा। उनकी प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं और विचारों में टकराव भी है। हम आम सहमति बनाने की कोशिश करते हैं। चूंकि सबके अपने हित जुड़े हैं, इसलिए हर फैसला सर्वसम्मति से नहीं हो पाता। हम एक सर्वमान्य दृष्टिकोण अपनाएंगे और इसे जल्द लागू करेंगे।'' पिछले सप्ताह केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने बताया था कि इस संबंध में संबंधित पक्षों और ऊर्जा मंत्रालय के साथ बैठक हो चुकी है और प्रस्ताव प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को भेज दिया गया है। कैफे मानकों की शुरुआत 2017 में हुई थी। इसके दूसरे चरण (कैफे-2) की शुरुआत 2022 में हुई और अगला चरण (कैफे-3) अप्रैल, 2027 से शुरू होने की संभावना है।

पश्चिम एशिया में फंसे कन्नड़ भाषी लोगों को वापस लाने के प्रयास जारी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अली हुसैनी खामेनेई के मारे जाने संबंधी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में फंसे कन्नड़ भाषी लोगों को वापस लाने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उड़ान में व्यवधानों के कारण दुबई में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार अधिकारियों और विदेश मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में है। सिद्दरामय्या ने पत्रकारों से कहा, जो युद्ध छेड़ा जा रहा है, मेरी राय में अमेरिका ने ईरान पर जो युद्ध छेड़ा है, वह अनावश्यक है। उन्होंने कहा, एक तरफ तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, शांति की बात करते हैं; दूसरी तरफ वह युद्ध छेड़ते हैं। यह विरोधाभासी रुख है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, हम टेलीविजन पर देख रहे हैं कि खामेनेई की हत्या कर दी गई है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। मैं उनकी आत्मा की

शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

पश्चिम एशिया में फंसे कन्नड़ भाषी लोगों के बारे में सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही कदम उठा लिए हैं। उन्होंने कहा, मैं इस बारे में पहले ही बात कर चुका हूं। मैंने हमारे मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और दिल्ली में हमारे सहायक आयुक्त से भी बात की है। दुबई हवाई अड्डा बंद है। यह जैसे ही खुलेगा उन्हें सुरक्षित वापस लाने के प्रयास किए जाएंगे।

पत्रकारों ने जब कहा कि जद (एस) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एस एल भोजेगौड़ा भी अपने परिवार के साथ दुबई में फंसे हुए हैं, मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने भोजेगौड़ा से बात की है। उन्होंने बताया कि वह सुरक्षित हैं और एक होटल में ठहरे हुए हैं। सिद्दरामय्या ने कहा, हम विदेश मंत्रालय के संपर्क में भी हैं। हम सभी को बिना किसी असुविधा के सुरक्षित वापस लाने के प्रयास कर रहे हैं। ये सभी कन्नड़ भाषी हैं। बल्लारी के लगभग 35 लोग फंसे हुए हैं। अन्य राज्यों के लोगों को मिलाकर कुल संख्या 52 है। हम इन सभी को वापस लाने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विदेश मंत्रालय के सचिवालय के संपर्क में है। उनके अनुसार, दुबई में सभी भारतीय सुरक्षित हैं।

पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करे केंद्र : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण फंसे भारतीयों खासकर कन्नड़ भाषी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। शिवकुमार ने कहा कि उनकी सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है और स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, उनकी (भारतीयों की) सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जानी चाहिए। हम केंद्र सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि केरल, कर्नाटक और अन्य राज्यों के वहां फंसे लाखों लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली स्थित राज्य के स्थानीय आयुक्त से पहले ही संपर्क कर लिया गया है और उनसे जानकारी मांगी गई है।

शिवकुमार ने कहा, हमारे दो विधायक श्रीनिवास भोजेगौड़ा और ए. सी. श्रीनिवास दुबई में हैं। वे समन्वय कर रहे हैं। मैं भी उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहा हूं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि घटनाक्रम चिंताजनक है। उन्होंने कहा, जो कुछ भी हो रहा है, वह ठीक नहीं है। यह शांति का सवाल है। हमने हमेशा शांति और बलिदान का सम्मान किया है। ईरान में एक स्कूल पर कथित हमले को लेकर शिवकुमार ने कहा, वे मासूम बच्चे उन्होंने क्या किया? वे तो बस बच्चे हैं। स्कूल पर इस तरह का हमला निंदनीय है।

उन्होंने लोगों से न घबराने की अपील करते हुए कहा कि राज्य सरकार सभी जरूरी कदम उठाएगी और जरूरत पड़ने पर केंद्र पर दबाव भी बनाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार वहां कन्नड़ संगठनों के संपर्क में है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे दिल दहला देने वाले वीडियो का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने कहा कि परिवारों में चिंता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सभी को एकजुट होकर लोगों का मनोबल बढ़ाना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या बेंगलूरु से कोई व्यक्ति प्रभावित हुआ है और क्या कॉल सेंटर स्थापित किया जाएगा तो उन्होंने कहा, इसके लिए राज्य के पास स्थानीय आयुक्त और सरकारी तंत्र है। शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि हेल्पलाइन जैसे मामलों पर केंद्र सरकार की ओर से कदम उठाने चाहिए।

उद्घाटन

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, यूनियन मिनिस्टर प्रह्लाद जोशी, और कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र रविवार को चिकमगलूर के बालेहोन्नूर में मेलपार रोड के उद्घाटन और मंगला मूर्ति फाउंडेशन की नींव रखने पहुंचे।

खामेनेई की मृत्यु की खबर के बाद शिया बहुल अलीपुरा गांव में शोक का माहौल

चिक्कबल्लापुर। अमेरिका और इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मौत की खबरों के बाद रविवार को चिक्कबल्लापुर जिले के शिया बहुल अलीपुरा गांव में मातम छा गया। ग्रामीणों ने शियाओं के सर्वोच्च नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए तीन दिवसीय शोक की घोषणा की है। गांव के लोगों ने मौन रखा और दुकान तथा वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को स्वेच्छा से बंद कर दिया गया। गांव में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए सभी उत्सव और सार्वजनिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, अली खामेनेई ने 1986 में अलीपुरा का दौरा किया था। उस दौरे के बाद इस गांव और ईरान के बीच संबंध काफी मजबूत हो गए थे। बाद में, गांव में उनके नाम पर एक अस्पताल बनाया गया जो खामेनेई के प्रति समुदाय के सम्मान का प्रतीक है। अलीपुरा के कई परिवारों का ईरान से सीधा संबंध है। कुछ निवासी उच्च शिक्षा और रोजगार के लिए वहां बस गए हैं। खामेनेई की मृत्यु की खबर ने ग्रामीणों को गहरा दुख पहुंचाया है।

शिया मस्जिद में खामेनेई की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक दुआ की गई। इस दौरान कई लोग अपने आंसू नहीं रोक पाए। लोगों ने खामेनेई पर हमले की निंदा करते हुए मार्च निकाला। इस दौरान उन्होंने काले कपड़े पहन रखे थे। उनके हाथों में काले झंडे तथा खामेनेई की तस्वीर थी।

ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच कर्नाटक सरकार फंसे लोगों की मदद को तैयार : जी. परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार इजराइल और ईरान के बीच जारी सशस्त्र संघर्ष से पैदा हुई स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और फंसे लोगों, खासकर कर्नाटक के छात्रों को हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सूचना मिली है कि विभिन्न जिलों के कई छात्र उस क्षेत्र में गए थे और बढ़ते संघर्ष के कारण वापस नहीं लौट पा रहे हैं।

परमेश्वर ने कहा, चिक्कबल्लापुरा जिले से करीब 150 लोग- सभी स्कूली बच्चे और कॉलेज छात्र वहां गए हैं। हमें सूचना मिली है कि वे वहां फंसे हैं। हम उनसे संपर्क करने की कोशिश करेंगे। जो भी मदद चाहिए, राज्य सरकार देने को तैयार है। हम संबंधित अधिकारियों से भी संपर्क करेंगे। देशों के बीच बार-बार होने वाले संघर्षों के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा, ये देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े मामले हैं। कुछ देश एक-दूसरे की नीतियों के खिलाफ मुद्दे उठाते रहे हैं। अब मामला इस स्तर पर आ गया है कि इसमें ईरान, अमेरिका और इजराइल शामिल हैं। हम देखना होगा कि इसका समाधान होता है या यह और बढ़ता है।

नागरिकों की मौत पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बच्चों सहित करीब 85 लोगों की जान गई है। संघर्ष के दौरान स्कूलों को निशाना बनाए जाने की खबरों पर परमेश्वर ने कहा कि देशों से ऐसी उम्मीद नहीं की जाती। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्थिति का समाधान जल्द हो जाएगा। रूस-यूक्रेन के बाद अब अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते टकराव पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, यह अच्छा संदेश नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हमने ऐसी स्थिति नहीं देखी। अब यह एक के बाद एक बढ़ता जा रहा है। मानवता के हित में इसे और नहीं बढ़ना चाहिए।

संघर्ष क्षेत्र में फंसे भारतीयों को वापस लाने के प्रयास जारी : जोशी

चिक्कमगलूरु/दक्षिण भारत । केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और उन्होंने स्थिति को अस्थिर बताया। चिक्कमगलूरु के रामभापुरी मठ में पत्रकारों से जोशी ने कहा कि वह इस मामले को नई दिल्ली में संबंधित मंत्रियों के समक्ष उठाएंगे।

जोशी ने कहा, वहां (पश्चिम एशिया में) मुश्किल परिस्थितियां हैं। मुझे पता चला है कि कन्नड़ भाषी लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, मैं आज दिल्ली जाऊंगा और संबंधित

मंत्रियों से बात करूंगा। वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। पूर्व में चलाए गए बचाव अभियानों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा, मोदी सरकार के कार्यकाल में हम युद्ध के दौरान सभी को सफलतापूर्वक वापस लेकर आए हैं। उन्होंने क्षेत्र में हालात के अस्थिर होने की चेतावनी भी दी।

जोशी ने कहा, फिलहाल वहां हालात अस्थिर हैं। वहां विमान उड़ाना भी खतरनाक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, वहां फंसे लोगों को सुरक्षित वापस लाने के हमारे प्रयास निरंतर जारी हैं। उन्होंने कहा, दुबई में अपने परिवार के साथ फंसे जद (एस) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) भोजे गौड़ा और उनके साथ मौजूद सभी यात्रियों को सुरक्षित वापस लाया जाना चाहिए।

मोदी ने मदुरै में 4,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

मदुरै, एक मार्च (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र का सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है, और उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र समावेशी विकास और राज्य की प्रगति को सक्षम बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यहां 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा, हमारा सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। प्रत्येक भारतीय 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरित है। तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु का समृद्ध इतिहास है और आदिचनल्लूर जैसे ऐतिहासिक स्थलों को वैश्विक धरोहर स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने तिरुप्परनकुंद्रम स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना की

मदुरै/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मदुरै के पास तिरुप्परनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर पहुंचे। प्रधानमंत्री शाम लगभग 4:15 बजे मंदिर पहुंचे, जहां मंदिर प्रशासन ने उन्हें पूर्ण-कुंभ' सम्मान प्रदान किया। धोती, कुर्ता पहने और शॉल ओढ़े प्रधानमंत्री ने मंदिर की परिक्रमा की और बाद में पूजा-अर्चना की। मोदी के साथ राज्यपाल आर एन रवि, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और भाजपा के राज्य प्रमुख नैनार नागेंद्रन भी थे। पिछले साल पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीपाथून पर दीप जलाने को लेकर हुए विवाद के बाद मोदी इस मंदिर में पहुंचे। यह मामला अदालत तक पहुंच गया था। अदालत ने भक्तों के दीपाथून पर दीप जलाने के अधिकार के पक्ष में फैसला सुनाया।

कांग्रेस ने पुडुचेरी को दिल्ली में 'एक परिवार' के लिए 'एटीएम' बना दिया : मोदी

पुडुचेरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि इस केंद्र शासित प्रदेश में उसका शासन राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार से ग्रस्त था, तथा यह केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में एक परिवार के लिए ''एटीएम'' की तरह था। द्रमुक पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि जनता पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में हो रहे ''घोटालों'' की एक लंबी सूची देख सकती है, जहां द्रविड़ पार्टी का शासन है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुडुचेरी में कांग्रेस के पूर्व शासनकाल के दौरान राशन की दुकानों में चावल नहीं था, वेतन में देरी होती थी, और सड़कों पर गुंडे तथा ड्रग माफिया का राज था। मोदी ने यहां नयी परियोजनाओं की शुरुआत और नयी पहलों के लिए आधारशिला रखने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''कांग्रेस ने पुडुचेरी को दिल्ली में बैठे एक परिवार के लिए एटीएम बना दिया था।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस और द्रमुक पुडुचेरी के विकास पथ में ''गतिरोधक'' बन गए हैं। यहां 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पुडुचेरी को केवल राज्यों के लिए बनाई गई पूंजी निवेश से जुड़ी विशेष सहायता योजना में शामिल किया है। स्वतंत्रता आंदोलन में पुडुचेरी क्षेत्र की भूमिका की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''वर्ष 2047 तक हमें एक विकसित पुडुचेरी, एक विकसित भारत का निर्माण करना होगा; पुडुचेरी की डबल इंजन' सरकार इस मिशन में आपके साथ है।

दम घुटने से तीन लोगों की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु में शनिवार को पानी की टंकी की सफाई के दौरान संभवत: दम घुटने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

व्हाइटफील्ड डिवीजन के पुलिस उपायुक्त सैदुलु अदावथ के अनुसार, यह घटना व्हाइटफील्ड पुलिस थाने की सीमा में इम्मादिहल्ली टेंपल सर्किल के पास पंचमुखी अंजनेय मंदिर के पीछे हुई।

उन्होंने बताया कि मकान मालिक मुनीशामप्पा (67) कुछ रसायनों की मदद से टंकी की सफाई के लिए उसके भीतर गया था लेकिन अंदर उसे सांस लेने में दिक्कत हुई और वह बेहोश हो गया। इसके बाद उसकी स्थिति देखने टंकी के भीतर गए रुद्र कुमार (40) को भी सांस लेने में तकलीफ हुई और वह भी टंकी के भीतर ही गिर पड़ा। दोनों की मदद के लिए पहुंचा विश्वनाथ आचारी (24) भी टंकी में बेहोश हो गया।

तीनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीसीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में प्रतीत होता है कि बंद स्थान में जहरीली गैस के कारण दम घुटने से उनकी मौत हुई।

विधायकों के दिल्ली जाने की जानकारी नहीं : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उन्हें किसी भी विधायक के दिल्ली या विदेश जाने की जानकारी नहीं है और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। विधायकों के राष्ट्रीय राजधानी जाने संबंधी अटकलों के बीच शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा, मुझे विधायकों के दिल्ली या विदेश जाने के बारे में कुछ भी नहीं पता और मैं इसमें हस्तक्षेप भी नहीं करूंगा। कांग्रेस के पूर्व सांसद डी के सुरेश ने शनिवार को कहा कि उनके भाई एवं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, मुख्यमंत्री बन सकते हैं यदि यह उनके भाग्य में लिखा होगा। इस बारे में शिवकुमार ने कहा, हर कोई यही कह रहा है। मैंने ऐसा नहीं कहा है।

हावेरी में खड़े ट्रक से कार की टक्कर में नवविवाहित दंपति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर रविवार सुबह खड़े एक ट्रक (लॉरी) से कार के टकरा जाने के बाद उसमें सवार नवविवाहित दंपति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान हावेरी शहर निवासी फूल विक्रेता कार्तिक (34) और उसकी पत्नी ऐश्वर्या (30) के रूप में हुई है। दंपति की शादी को केवल 15 दिन हुए थे।

पुलिस ने कहा, मंदिर से दर्शन करने के बाद लौटते समय रविवार सुबह उनकी कार शिगगांव तालुक के कडाहल्ली गांव के पास एनएच- 48 पर खड़े एक ट्रक से टकरा गई। पुलिस के अनुसार, दंपति मंदिर से लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ।

पुलिस ने बताया कि कार में सवार दो अन्य लोगों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए हुब्बल्ली के केआईएमएस अस्पताल ले जाया गया। दमकल कर्मियों और स्थानीय निवासियों ने बचाव अभियान चलाया तथा क्षतिग्रस्त वाहन से शवों को बाहर निकाला।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निर्माण संस्था
निर्माण संस्था, दक्षिण पश्चिम रेलवे, भारतीय रेलवे सेवाएं और अभियंताओं (आईआरएसई) के उन अधिकारियों से सेक्टर एक्सपर्ट की भर्ती के लिए आवेदन मंगा रहा है, जो एसएजी या हायर ग्रेड से रिटायर हुए हैं। यह डीपीआर ओं के पीयर रिव्यू के लिए 03 (तीन) साल के समय के लिए होगा।
कुल पदों का संख्या 03 की ज़रूरत है।
ई-मेल dycecnwbnc@gmail.com से आवेदन मिलने की आखिरी तारीख 25.03.2026 को 24:00 बजे तक है, जो एक ही और आसानी से पढ़ी जा सकने वाली PDF फ़ाइल में हो।
अधिक जानकारी / सूचनाओं / अन्य जानकारियों के लिए कृपया देखें www.swr.indianrailways.gov.in > About Us > Contruction Organisation - > Engaging Sector Expert में
उप मुख्य इंजीनियर/कार्य/निर्माण
बेंगलूरु छावनी
PUB/943/AAF/PRB/SWR/2025-26
रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
रुचि की अभिव्यक्ति
दक्षिण पश्चिम रेलवे - 2026 के लिए विज्ञापन एजेंसियों का पैनल
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, प्रिंट मीडिया में डिस्प्ले कैंपेन, दक्षिण पश्चिम रेलवे के पीआर कार्यों के सहित रेलवे एडवर्टाइजमेंट को संभालने के लिए एडवर्टाइजिंग एजेंसियों का एक पैनल बनाने के लिए एप्लीकेशन मंगाए गए हैं। आईएनएस प्रत्यायन वाली और हुबली में सभी सुविधाओं वाला एक पूरा कामगाजी कार्यालय रखने वाली एडवर्टाइजिंग एजेंसियां एम्पैनलमेंट के लिए आवेदन कर सकती हैं।
सभी ज़रूरी दस्तावेजों के साथ बताए गए फॉर्म में ठीक से भरा हुआ आवेदन, एक मुहरमंद लिफाफेमें जिसके ऊपर "दक्षिण पश्चिम में रेलवे एडवर्टाइजिंग एजेंसियों के एम्पैनलमेंट-2026" के लिए आवेदन लिखा हो, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय, दक्षिण पश्चिम रेलवे, 4वां मंजिल, रेल सौधा, गदग रोड, हुबली - 58 0020, कर्नाटक राज्य" पर भेजा जा सकता है।
आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख: 24.03.2026 को 11:00 बजे तक
आवेदनों को खुलने की तारीख: 24.03.2026 को 11:30 बजे
विवरण के लिए लॉग ऑन करें swr.indianrailways.gov.in में
PUB/940/AAMO/PRB/SWR/2025-26
रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

जैन दर्शन की 'ध्यान, तपस्या एवं आत्मचिंतन की परंपरा' ने पूरे विश्व का किया मार्गदर्शन : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए आध्यात्मिक चेतना महत्वपूर्ण है। इस दिशा में जैन समुदाय की 'ध्यान, तपस्या एवं आत्मचिंतन की परंपरा' ने पूरे विश्व का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और इसमें जैन सहित सभी समाजों की साझेदारी आवश्यक है। शर्मा रविवार को जयपुर में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीटो) टाउन रिप्रजेन्टेटिव नेशनल कॉन्क्लेव एवं विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मूल्य आधारित नेतृत्व, सामाजिक एकता एवं आध्यात्मिक चेतना' भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। हमें अपने निर्णयों में ईमानदारी, पारदर्शिता, जनसेवा एवं नैतिकता को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील होकर कर्तव्यबोध को सर्वोपरि रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज ने सदियों से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को आगे बढ़ाया है। अहिंसा, करुणा एवं सत्य के मूल्यों के आधार पर भारतीय सभ्यता के निर्माण में अतुलनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी की अहिंसा की शिक्षा और प्राचीन काल से चली आ रही ज्ञान परंपरा के माध्यम से जैन दर्शन ने 'जियो और जीने दो' का अमर संदेश दिया है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। वर्ष 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान पर थी, जो आज चौथे स्थान पर पहुंच गई है और शीघ्र ही तीसरे स्थान हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि जैन समाज का देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही, सामाजिक क्षेत्र में भी समाज ने अनुकरणीय कार्य किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवकार महामंत्र दिवस 2.0 का आज शुभ कार्यक्रम है। नवकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मंत्र नहीं है, बल्कि यह समस्त मानवता को अहिंसा, करुणा, ज्ञान एवं आत्मशुद्धि का मार्ग दिखाने वाला सार्वभौमिक संदेश है। उन्होंने नवकार महामंत्र की दिव्य ऊर्जा से विश्व में शांति, सद्भाव एवं कल्याण का मार्ग प्रशस्त होने की मंगलकामना की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 के प्रचार-प्रसार के लिए रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में जीटो अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित विभिन्न चैप्टर्स के पदाधिकारीगण और बड़ी संख्या में महिला एवं युवा उद्यमी उपस्थित रहे।

बर्लिन के अंतरराष्ट्रीय यात्रा-व्यापार मेले में राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल प्रदर्शित किए जाएंगे

जयपुर। राजस्थान पर्यटन विभाग जर्मनी की राजधानी बर्लिन में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रा एवं व्यापार मेले में राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को प्रदर्शित करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पर्यटन विभाग के अनुसार, फ्रॉम डेजर्ट टू राइन विषय के साथ राजस्थान पर्यटन अपनी विरासत, विविध प्राकृतिक परिदृश्यों और पर्यटन से जुड़ी पहलों को तीन से पांच मार्च तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में वैश्विक हितधारकों के सामने प्रस्तुत करेगा। पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियार ने बताया कि 2025 में राज्य में 19,45,068 विदेशी पर्यटक आए। । रियार ने कहा, राजस्थान के आकर्षणों में थार मरुस्थल, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जैसे वन्यजीव स्थल तथा ऐतिहासिक किले और महल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आमेर किला, चित्तौड़गढ़ किला, कुंभलगढ़ किला, रणथंभौर किला, गागरोन किला और जैसलमेर किला यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं। इसके अलावा, जयपुर के परकोटा को 2019 में यूनेस्को विश्व धरोहर शहर का दर्जा मिला था।

भारतीय अध्यात्म परम्परा विश्वभर में श्रेष्ठ : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को मध्यप्रदेश के ग्वालियर स्थित जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में अखिल भारतीय पूर्णवाद युवा फोरम और पूर्णकन्या प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित 'युवा सम्मेलन' में भाग लिया। राज्यपाल बागड़े ने इस दौरान 'पूर्णवाद विचारधारा' से जुड़े महान दार्शनिक एवं आध्यात्मिक आचार्य डॉ. आर. पी. पारनेरकर तथा डॉ. वी. आर. पारनेरकर को स्मरण करते हुए कहा कि पूर्णवाद जीवन से जुड़ा आलोक है। उन्होंने भारतीय अध्यात्म परम्परा को विश्व की महान देन बताते हुए कहा कि भौतिक जीवन के प्रत्येक पक्ष में पूर्णवाद से ही समग्र संतुष्टि और संतोष भाव को प्राप्त किया जा सकता है।

राज्यपाल ने ईशावास्योपनिषद के पूर्णमिदम शांति पाठ का उल्लेख करते हुए कहा कि सृष्टि अपने आप में पूर्ण है। इसलिए पूर्ण से यदि पूर्ण भी निकाला दिया जाता है तो मूल पूर्णत्व में कोई कमी नहीं आती। उन्होंने भारतीय वैदिक, विज्ञान और खगोल विद्या के उत्कर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्यभट्ट ने शून्य का सटीक मान ही विश्व भर को नहीं दिया बल्कि गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत और पृथ्वी गोल होने का वैज्ञानिक तथ्य बहुत पहले ही विश्वभर को बता दिया था।

बागड़े ने संतुलित और प्रसन्नचित जीवन के लिए पूर्णता के भाव को सभी स्तरों पर अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को 'व्यष्टि नहीं समष्टि' भाव के साथ 'विकसित भारत' के संकल्प में सहभागिता निभाने पर जोर दिया।

प्रदेश की सभी आंगनबाड़ियों में मूलभूत सुविधाओं का तेजी से हो विकास : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग भवानी सिंह देथा एवं निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में रविवार को सचिवालय में समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समीक्षा बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राजस्थान सरकार द्वारा घोषित बजट घोषणाओं की क्रियान्विति हेतु आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सभी पात्र लाभार्थियों को पंजीकृत कर, लाभ दिलाने का प्रयास किए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में राष्ट्रीय स्तर की तालिका में प्रथम तीन राज्यों में रहने के लिए अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया तथा इसी प्रकार अन्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रदेश की आंगनबाड़ियों के अनुमत मरम्मत कार्यों को इस वित्तीय वर्ष में पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा कि प्रदेश की सभी आंगनबाड़ियों में पेयजल, विद्युत कनेक्शन तथा शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से विकसित की जाए ।

उप मुख्यमंत्री ने 19 जनवरी 2026 से 19 फरवरी 2026 तक प्रदेश में चलाए गए प्रेरणा अभियान 2.0 की प्रगति एवं उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पोषण ट्रैकर पर 2लाख 47 हजार 114 लाभार्थियों की वृद्धि दर्ज होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार आभा आईडी एवं अपार आईडी के प्रतिशत में वृद्धि भी अभियान की सफलता को दर्शाती है। उन्होंने इसी क्रम में जिलों में भी एक जिला एक टास्क के तहत कार्य करवाने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जून 2026 तक पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत लाभार्थियों में से 75% लाभार्थियों की आभा आईडी दर्ज करने एवं 50% लाभार्थियों की अपार आईडी दर्ज करने के लिए विशेष रणनीति के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उपनिदेशक प्रशिक्षण बनवारी लाल सिनसिनवार, वित्तीय सलाहकार आईसीडीएस पदम चंद, उपनिदेशक डॉ. धर्मवीर, संयुक्त परियोजना समन्वयक डॉ. मंजू यादव, ओपी सैनी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एआई की क्रांति में हम सभी की तैयारी ही सफलता की कुंजी : रवि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के सहयोग से ओपन इनोवेशन लोटस फाउंडेशन और आर्मेनिया सरकार द्वारा होटल ताज आमेर में आयोजित तीन दिवसीय 'राजस्थान सीसाइड स्टार्टअप समिट' का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर पिच बैटल के विजेता स्टार्टअप्स को पुरस्कार भी वितरित किए गए। समापन समारोह को संबोधित करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने स्टार्टअप्स, निवेशकों, नीति निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के समक्ष कहा कि इस आयोजन में हुई चर्चाओं और प्रस्तुत विचारों ने आशा और उत्साह का माहौल तैयार किया है।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण कार्यस्थल और जीवन में आई तकनीकी क्रांति अतुलनीय हैं। डॉ. सुरपुर ने साझेदारी की शक्ति पर जोर देते हुए हिंदी की प्रसिद्ध कहावत का उल्लेख किया कि जब एक और एक साथ आते हैं, तो वे दो नहीं, बल्कि ग्यारह बन जाते हैं। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से किसी भी ऐसी संस्था के साथ साझेदारी करने की इच्छा जताई, जो राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करे। उन्होंने नई पीढ़ी (40 वर्ष से कम आयु वर्ग) की गति और ऊर्जा की सराहना की, जो तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, स्टार्टअप्स, वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए ओपन इनोवेशन लोटस फाउंडेशन के कोफाउंडर युवराज भारद्वाज ने कहा कि स्टार्टअप्स को शॉर्टकट अपनाने से बचना चाहिए। सीसाइड स्टार्टअप समिट के कोफाउंडर हाकोब हाकोबयान ने इस समिट के आयोजन के लिए आर्मेनिया सरकार और राज्य सरकार का धन्यवाद दिया। सीसाइड स्टार्टअप समिट के सीईओ वाहगन रापयान ने पिच बैटल के विजेताओं के नाम घोषित किए। ओपन इनोवेशन लोटस फाउंडेशन की सीईओ श्रीमती हर्षी गिलारा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता सहित विभिन्न स्टार्टअप सीईओ, निवेशकों, नीति निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ और अंतरराष्ट्रीय भागीदार उपस्थित थे।

समापन समारोह में पिच बैटल के ग्रैंड फिनाले के विजेता स्टार्टअप को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। अर्ली/ग्रोथ स्टेज में राजस्थान के कैपक्सा डायनामिक्स को प्रथम पुरस्कार मिला, जिन्हें चार हजार डॉलर का चेक मिला। दूसरे स्थान पर कैटलक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड रही, जिसे दो हजार डॉलर का चेक दिया गया। इसी तरह आइडिया/प्रेस्ड स्टेज में राजस्थान की एग्रोसिस को प्रथम पुरस्कार के रूप में 2500 डॉलर का चेक मिला, वहीं दूसरे पुरस्कार के रूप में टेकलॉज प्राइवेट लिमिटेड को 1500 डॉलर का चेक प्रदान किया गया।

ईडी में राहत दिलाने के नाम पर 13 लाख रुपये की रिश्वत लेते एक व्यक्ति गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में राहत दिलाने के नाम पर 13 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार जनपद अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के गांव सरई पाण्डेयपुर के रहने वाले उत्तर पांडेय को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने अपनी शिकायत में बताया कि वर्ष 2022 में एक निजी कंपनी में निवेश के संबंध में उसके साथ धोखाधड़ी हुई थी। इस संबंध में आरोपी द्वारा परिवादी से संपर्क कर स्वयं को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) चंडीगढ़ के सहायक निदेशक कार्यालय से संबद्ध बताते हुए उक्त प्रकरण में नाम हटवाने एवं राहत दिलाने के बदले रिश्वत की मांग की गई। शिकायत के अनुसार आरोपी ने शुरू में 20 लाख रुपये की रिश्वत की मांगी जिसे बाद में घटाकर 15 लाख रुपये तथा अंततः 13 लाख रुपये लेने पर सहमति व्यक्त की गई।

राजसी होली का प्रतीक : जयपुर के 'गुलाल गोटा' की देश-विदेश में धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर की पूर्व रियासत में होली की राजसी परंपरा के प्रतीक रहे लाख निर्मित 'गुलाल गोटे' की मांग अब ना केवल भारत बल्कि दुनियाभर में बढ़ गई है। इन दिनों गुलाल गोटों की खूब बिक्री हो रही है। पर्यावरण के अनुकूल और त्वचा के लिए सुरक्षित माने जाने के कारण इसे लोग खरीद रहे हैं। 'गुलाल गोटा' लाख से बना गेंद जैसा पतला और हल्का गोला होता है। ऐसे हर गोले में खुशबूदार और अलग-अलग रंग का करीब 30 से 40 ग्राम गुलाल भरा जाता है और फिर उसे सावधानी से बंद किया जाता है। जब इस गोले (गुलाल गोटा) को किसी पर फेंका जाता है, तो यह टकराते ही टूट जाता है और वह व्यक्ति बगैर चोट लगे गुलाल से रंग जाता है। गुलाल गोटे का एक पैकेट 300 रुपये में मिलता है जिसमें छह गोले होते हैं।

'गुलाल' सीधे चेहरे पर मल दिया जाता है या हाथ से फेंका जाता है, इसके विपरीत 'गुलाल गोटा' को व्यक्ति पर प्यार से फेंका जाता है। टकराने पर गुलाल गोटा का लाख से बना नाजुक आवरण टूट जाता है और अचानक रंगों की धारा फूट पड़ती है, जिससे एक अधिक उल्लासपूर्ण प्रभाव पैदा होता है। लाख प्राकृतिक तौर पर पाया जाने वाला रेसिन (राल) युक्त पदार्थ है जो मादा लाख कीट (केर्रिया लाक्का) द्वारा स्रावित होता है। यह कीट पलाश, बेर और कुसुम जैसे विशिष्ट वृक्षों पर परजीवी के रूप में आश्रित रहता है।

जयपुर में 'मणिहारों का रास्ता' नामक गली में 10 से 15 परिवार गुलाल गोटा बनाने का काम कर रहे हैं। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगरों ने बताया कि लोग अब रसायनयुक्त रंगों से परहेज कर रहे हैं और यही वजह है कि गुलाल गोटा को पसंद किया जा रहा है। 'मणिहारों का रास्ता' में गुलाल गोटा बनाने के कारीगर मोहम्मद अमजद ने बताया कि गुलाल गोटों से होली खेलने की परंपरा लगभग 300 साल पुरानी मानी जाती है। लाख से बनाए गए इन गुलाल गोटों में आरारोट की प्राकृतिक गुलाल डाली जाती है, जिससे त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचता है।

अमजद ने बताया कि इस बार बाजार में फूलों से भरे गुलाल गोटों की भी मांग है जिनमें गुलाब, चमेली, मोगरे की पत्तियां भरी जाती हैं। जब यह गुलाल गोटा किसी पर मारते हैं तो उस पर फूलों की 'बारिश' होने जैसा आनंददायक प्रभाव उत्पन्न होता है। उन्होंने बताया कि गुलाल गोटा की बिक्री सिर्फ होली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शादी में हल्दी की रस्म के लिए इसकी मांग होने लगी है।

अमजद ने बताया कि मंदिरों में होने वाले कार्यक्रमों में भी इसका उपयोग होने लगा है। उन्होंने बताया कि जयपुर के अलावा दूसरे राज्यों के लोग भी गुलाल गोटा मंगवा रहे हैं खासतौर पर बेंगलूरु, हैदराबाद, सूरत, मुंबई, दिल्ली के लोग गुलाल गोटे का ऑर्डर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई युवा उद्यमी बेहतर पैकेजिंग के साथ इन्हें ई-कॉमर्स मंच पर भी बेच रहे हैं।

कारीगर अकरम खान और अंजुम ने बताया कि जयपुर के इस गुलाल गोटे की मांग राजस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि विदेशों से भी मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि इसकी मांग मथुरा-वृंदावन से लेकर जर्मनी, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, लंदन, सिंगापुर और इंग्लैंड तक है। उन्होंने बताया कि जयपुर घूमने आने वाले विदेशी पर्यटक अपने साथ गुलाल गोटा ले जा रहे हैं। अंजुम ने बताया कि स्वदेश लौटने के बाद पर्यटक खुद की पसंद के भारतीय गाइड के जरिये फिर से गुलाल गोटा अपने देश में मंगवा रहे हैं।

कारीगर रेहाना खान ने बताया कि गुलाल गोटा की मांग बढ़ने से इसे बनाने का काम दिन-रात चल रहा है। अंजुम ने कहा, पहले एक परिवार त्योहार के लिए कम से कम 500 पैकेट तैयार करता था, लेकिन मांग में तेज वृद्धि के कारण अब हर परिवार 5,000 से 10,000 पैकेट तैयार कर रहा है। इतिहासकार जितेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह कला सीधे तौर पर रियासत काल से जुड़ी है जब होली पर सवाई जयसिंह द्वितीय हाथी पर सवार होकर होली खेलने निकलते थे। उन्होंने कहा कि राजा हाथी पर से गुलाल से भरे गोटे (गुलाल गोटा) प्रजा पर फेंका करते थे। इस तरह वह पूरे नगर के साथ रंगों की होली खेलते थे। धीरे-धीरे यह परंपरा आम लोगों तक पहुंची और आज जयपुर के बाजारों में होली से महीनों पहले ही इनकी मांग बढ़ जाती है।

प. बंगाल की मतदाता सूची से '50 लाख से अधिक घुसपैठियों' को हटाया गया : नितिन नवीन का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कूच बिहार/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से ''50 लाख से अधिक घुसपैठियों'' को हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में ''अवैध प्रवासियों का समय समाप्त हो गया है।''

नवीन का यह बयान पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची के प्रकाशन के एक दिन बाद है, जिसमें 63.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। कूच बिहार में पार्टी की 'परिक्रमा यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए नवीन ने आरोप लगाया कि जिन्हें मतदाता सूची से हटाया गया है वे ''घुसपैठिए'' थे, जो सरकारी नौकरियों और वास्तविक नागरिकों के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे थे। उन्होंने कहा, मतदाता सूची से 50 लाख से अधिक घुसपैठियों को हटा दिया गया है। ये घुसपैठिए न केवल वैध नागरिकों के अधिकारों का हनन कर रहे थे, बल्कि देश की सुरक्षा को भी खतरे में डाल रहे थे।

भाजपा अध्यक्ष नवीन ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फर्जी दस्तावेज हासिल करने में मदद करके घुसपैठियों को संरक्षण प्रदान किया।'' नवीन ने तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए कहा, ममता बनर्जी ने मतदाता सूची में घुसपैठियों को बचाने के लिए अदालतों का रुख किया, क्योंकि वे उनकी पार्टी का वोट बैंक हैं। लेकिन जब महिलाएं अपमान का सामना करनी हैं तो आप नजरें चुरा लेते हैं।'' उन्होंने कहा, घुसपैठियों को हमारा संदेश है कि अब उन्हें बंगाल की धरती से बाहर निकाले जाने का समय आ गया है। हमें न केवल घुसपैठियों को बाहर निकालना है, बल्कि एक ऐसी निर्णायक सरकार भी बनानी है जो विकास ला सके। तृणमूल कांग्रेस पर कुशासन का आरोप लगाते हुए, नवीन ने कहा कि राज्य को भ्रष्ट तृणमूल सरकार से मुक्त किया जाना चाहिए, जो केवल घुसपैठियों के लिए काम करती है। उन्होंने कहा, बंगाल बदलाव के लिए तरस रहा है। लोग एक वास्तविक 'परिवर्तन' चाहते हैं। नवीन की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब निर्वाचन आयोग ने एक दिन पहले ही एसआईआर कवायद के बाद मतदाता सूची जारी की थी। पश्चिम बंगाल में कुछ ही महीने में चुनाव होने की संभावना है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को जारी डेटा में बताया गया कि 63.66 लाख नाम जो मतदाताओं का लगभग 8.3 प्रतिशत है, पिछले साल नवंबर में शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद हटाए गए हैं। इससे मतदाताओं की कुल संख्या 7.66 करोड़ से घटकर सिर्फ 7.04 करोड़ के थोड़ा ऊपर रह गई है।

राज्यव्यापी 116 दिवसीय एसआईआर प्रक्रिया 2002 के बाद पहला गहन पुनरीक्षण था। इसमें 60.06 लाख से अधिक मतदाता अब भी ''विचाराधीन'' श्रेणी में हैं, जिनकी पात्रता अब आने वाले सप्ताह में न्यायिक समीक्षा के अधीन होगी। मसौदा मतदाता सूची पिछले साल 16 दिसंबर को प्रकाशित हुई थी जिससे मतदाता संख्या पहले ही 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ हो गई थी।

तेजस्वी के राज्यसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच लालू ने रविवार को राजद की बैठक बुलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के बिहार में राज्यसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच, पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद ने रविवार को यहां संसदीय बोर्ड की बैठक बुलाई। यह बैठक राज्यसभा चुनाव में नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि से चार दिन पहले हो रही है।

राजद की बिहार इकाई के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने पत्रकारों से कहा, ''मैं अटकलों पर कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन एक बात बिल्कुल स्पष्ट है। लोग हमारे नेता तेजस्वी जी को संसद के उच्च सदन में देखना चाहते हैं। इंतजार करें, जल्द स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।'' बिहार की कुल 16 राज्यसभा सीट में से पांच सीट अप्रैल में रिक्त हो जाएंगी, जिनके लिए चुनाव 16 मार्च को होंगे। जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) के हरिवंश नारायण सिंह और रामनाथ ठाकुर, राजद के प्रेमचंद गुप्ता और अमरेंद्रधारी सिंह तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के उपेंद्र कुशवाहा का राज्यसभा कार्यकाल अगले महीने समाप्त हो जाएगा। राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी राजद के पास केवल 25 विधायक हैं, जो राज्यसभा में सीट हासिल करने के लिए बहुत कम हैं। राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) (भाकपा-माले), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (आईआईपी) शामिल हैं।

कोल इंडिया की इकाई की पहल छत्तीसगढ़ की महिलाओं को बना रही है आत्मनिर्भर

बिश्रामपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। पूजा साहू (30) आज इस बात को लेकर बहुत ज्यादा खुश हैं कि वह अपने पति के नाम से नहीं जानी जातीं। पूजा को लोग अब 'बोटिंग वाली दीदी' के नाम से जानते हैं। यह नई पहचान उन्हें मजबूती और पैसे की आजादी का एहसास कराती है, जबकि कुछ साल पहले ऐसा नहीं था।

साहू छत्तीसगढ़ राज्य के एक 'इको-टूरिज्म' पार्क में मोटर बोट चलाकर अपना गुजारा करती हैं, जिसे कोल इंडिया की इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने खनन के बाद एक छोड़ी हुई कोयला खदान से एक 'एडवेंचर हब' में बदल दिया है। पार्क में 1,472 हेक्टेयर की जगह है जिसमें एक बड़ी पानी की जगह, एक तैरता हुआ रेस्तरां, बोटिंग और स्थानीय सहकारी समितियों द्वारा चलाई जाने वाली मछली पालन की जगह है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है।

बंगाल में एसआईआर से पहले ही एक करोड़ मतदाताओं के नाम हटाने का लक्ष्य तय था : अभिषेक

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सांसद एवं महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के बाद रविवार को निर्वाचन योग पर अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि ''एक करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटाने का लक्ष्य प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही तय कर लिया गया था''।

बनर्जी ने एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची के पहले चरण के प्रकाशन के एक दिन बाद यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि ''1.2 करोड़ नाम'' मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि हटाए गए नामों और ''विचाराधीन'' रखे गए मतदाताओं की कुल संख्या अब उस आंकड़े के लगभग बराबर है। बनर्जी ने राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर द्वारा मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बारे में पहले की गई टिप्पणियों को रेखांकित किया।

ममता सरकार ने घुसपैठियों को पहचान पत्र मुहैया कराए, बंगाल में पुनः सत्यापन की जरूरत : गिरिराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार पर घुसपैठियों को आधार कार्ड जैसे पहचान दस्तावेज उपलब्ध कराने का रविवार को आरोप लगाया और निर्वाचन आयोग (ईसी) से राज्य में पुनः सत्यापन करने का आग्रह किया।

सिंह ने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में कम से कम 70-80 लाख बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के नाम जोड़े गए हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल के अनुसार, निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को प्रकाशित राज्य की अंतिम मतदाता सूची से 63.66 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, जबकि 60 लाख से अधिक नाम 'विचाराधीन' हैं। सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, निर्वाचन आयोग को पश्चिम बंगाल में और अधिक सक्रियता से काम करने की जरूरत है। ममता बनर्जी सरकार ने कई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को आधार कार्ड और अन्य पहचान दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। इसलिए, मैं निर्वाचन आयोग से अपील करता हूं कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और पश्चिम बंगाल में पुनः सत्यापन कराए। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल ''घुसपैठियों के लिए सबसे बड़ी नर्सरी बन गया है''। उन्होंने कहा, यदि इन घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें देश से बाहर नहीं निकाला गया, तो इससे भारत की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न होगा।

तृणमूल कांग्रेस के घुसपैठियों की मदद करने से प. बंगाल के मूल निवासी अल्पसंख्यक बन जाएंगे : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कृष्णानगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर घुसपैठियों की मदद करने का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि इसके कारण पश्चिम बंगाल के मूल निवासी अल्पसंख्यक हो जाएंगे। नड्डा ने नदिया जिले के कृष्णानगर में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस राज्य को ''घुसपैठियों का केंद्र'' बनाने की कोशिश कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में 'परिवर्तन यात्राएं' निकालीं जिनमें से एक को कृष्णानगर से रवाना किया गया। उन्होंने बनर्जी सरकार के कार्यकाल में राज्य में कानून-व्यवस्था नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि टीएमसी का मतलब '' 'टेरर', 'मुस्लिम अपीजमेंट' एवं 'करप्शन' (आतंक, मुस्लिम तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार) है।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा कि तृणमूल सरकार ने राज्य में आयुष्मान भारत योजना को लागू नहीं होने दिया जिससे करीब 40 लाख परिवार पांच लाख रुपए तक के नि:शुल्क इलाज से वंचित रह गए। उन्होंने कहा, ''यहां सत्ता में आने के तुरंत बाद हम बंगाल में 'आयुष्मान भारत' लागू करेंगे।''

समाज कट्टरपंथ के प्रति सतर्क रहे, जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद मुक्त करें : सिन्हा

जम्मू/भाषा। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को समाज के हर वर्ग से युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की कोशिश करने वाले और आतंकी तंत्र को बनाए रखने के प्रयास करने वाले तत्वों के प्रति सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने योग्यता के आधार पर चयन की बात भी की और आतंकवाद मुक्त जम्मू और कश्मीर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में शांति के क्षेत्र में हितधारकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, और अब अधिकांश आबादी स्थिरता और समृद्धि को प्राथमिकता दे रही है।''

सिन्हा ने फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) द्वारा आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''आज जम्मू-कश्मीर वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय एकता कार्यक्रमों में अग्रणी बनकर उभरा है। इस प्रगति को बाधित करने का सपना देखने वालों को नई वास्तविकता को स्वीकार करना होगा।'' इस अवसर पर उप राज्यपाल ने व्यापार रत्न सम्मान से लोगों को सम्मानित किया।

'परिवर्तन' यात्रा से अंततः बंगाल में तृणमूल सरकार का होगा पतनः धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गढ़बेता(प.बंगाल)/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की 'परिवर्तन यात्रा' से पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार का अंतत: पतन होगा। उन्होंने रेखांकित किया कि राज्य में विकास की गति को तेज करने के लिए 'डबल इंजन' वाली भाजपा सरकार सत्ता में आएगी।

प्रधान ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में ' परिवर्तन यात्रा' को हरी झंडी दिखाने से पहले संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि तृणमूल कथित तौर पर पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी में बदलाव कर इसे 'पश्चिम बांग्लादेश' बनाना चाहती है। उन्होंने कहा, ''राज्य का हर सही सोच रखने वाला नागरिक अब अपनी सुरक्षा और अस्तित्व के लिए ममता बनर्जी की इस सरकार को हटाना चाहता है, और 'परिवर्तन यात्रा' उस बहुप्रतीक्षित बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेगी।'' प्रधान ने कहा, ''बंगाल के लोगों को 34 वर्षों के वामपंथी कुशासन के बाद 2011 में 'परिवर्तन' की उम्मीद थी। हालांकि, वामपंथी सत्ता से हट गए, लेकिन उनकी स्थिति और भी बदतर हो गई।'' केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि बंगाल में सत्ता में आने के बाद, ''डबल इंजन' वाली भाजपा सरकार तृणमूल के शासनकाल में ठप पड़ी विकास प्रक्रिया को गति देगी, आर्थिक विकास, रोजगार और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।'' प. बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी और अन्य भाजपा नेताओं ने भी इस यात्रा में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया नौ परिवर्तन यात्राएं कूच बिहार, कृष्णानगर, कुल्टी, गढ़बेटा, रायदीघी, इस्लामपुर, हसन, संदेशखलि और आमता से शुरू होकर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से गुजरेंगी और अंत में ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक रैली के साथ समाप्त होंगी, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संबोधित किए जाने की उम्मीद है।

संप्रभु राष्ट्र के नेतृत्व की लक्षित हत्या निंदनीय : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की निंदा करते हुए कहा कि ''लोकतांत्रिक दुनिया के तथाकथित नेताओं'' द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के नेतृत्व की लक्षित हत्या और असंख्य निर्दोष लोगों की हत्या निंदनीय है तथा इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इजराइली प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने ''घुटने टेकने'' के बाद, प्रधानमंत्री प्रभावित देशों में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस घर लाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। प्रियंका ने कहा, ''लोकतांत्रिक दुनिया के तथाकथित नेताओं द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के नेतृत्व की लक्षित हत्या और असंख्य निर्दोष लोगों की हत्या निंदनीय है तथा इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए, चाहे इसके पीछे कोई भी घोषित कारण हो।''

मोदी की विदेश नीति की विषयवस्तु और उसके तौर-तरीकों की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि ''ईरान पर थोपे गए'' इस युद्ध पर सरकार की प्रतिक्रिया भारत के मूल्यों, सिद्धांतों और हितों के साथ विश्वासघात है और उसने दावा किया कि देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति की विषयवस्तु और उसके तौर-तरीकों की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''चाहे प्रधानमंत्री और उनकी मंडली कितना भी दिखावा कर लें, हकीकत यह है कि स्वयंभू विश्वगुरु के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है।''

रमेश ने 'एक्स' पर कहा, मोदी ने 25-26 फरवरी 2026 को इजराइल की यात्रा ऐसे समय में की, जब पूरी दुनिया को यह जानकारी थी कि शासन परिवर्तन के उद्देश्य से ईरान पर अमेरिका-इजराइल का सैन्य हमला आसन्न है। मोदी के इजराइल से रवाना होने के केवल दो दिन बाद ही यह हमला शुरू हो गया। वहां नेसेट में दिया गया उनका भाषण नैतिक कायरता का शर्मनाक प्रदर्शन था।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''ईरान पर थोपे गए इस युद्ध पर मोदी सरकार की प्रतिक्रिया भारत के मूल्यों, सिद्धांतों, चिंताओं और हितों के साथ विश्वासघात है।''

रमेश की यह टिप्पणी इजराइल और अमेरिका के एक बड़े हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद आई है। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि 86 वर्षीय खामेनेई की तेहरान के मध्य क्षेत्र स्थित परिसर को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले में मौत हो गई।

रमेश ने अपने पोस्ट में कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान के साथ अपनी नजदीकियां लगातार बनाए हुए हैं और बार-बार उसी व्यक्ति की सराहना कर रहे हैं, जिसके भड़काऊ बयानों ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी। अमेरिका ने अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की लड़ाई में साफ तौर पर पाकिस्तान को समर्थन किया है। '' उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कम से कम सौ बार यह दावा किया है कि उन्होंने अमेरिका में भारत के निर्यात पर शुल्क बढ़ाने की धमकी देकर 10 मई 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था।

रमेश ने कहा, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों पर प्रधानमंत्री पूरी तरह मौन हैं। ऑपरेशन सिंदूर को रोकने की पहली घोषणा 10 मई 2025 को शाम पांच बजकर 37 मिनट पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की थी।'' रमेश ने कहा कि दो फरवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री मोदी के अनुरोध पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम रूप से तय हो गया है और तत्काल प्रभाव से लागू हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह स्पष्ट है कि यह प्रधानमंत्री मोदी की एक हताश पहल थी जिसका उद्देश्य संसद में राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दों से सुर्खियां हटाना था।

ओडिशा : मयूरभंज में जादू-टोना किए जाने के शक में बुजुर्ग महिला की हत्या

बारीपदा/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में 62 वर्षीय एक आदिवासी महिला की जादू-टोना करने के संदेह में एक ग्रामीण ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान बहलदा पुलिस थाना क्षेत्र के गांव कुम्भिरदा निवासी जोबा टुडू के रूप में हुई है। रायरांगपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) बीरेंद्र सेनापति ने बताया, ''उसी गांव के 26 वर्षीय जुगु मरांडी ने शुक्रवार रात को जोबा टुडू की उसके घर में सोते समय धारदार हथियार से हत्या कर दी। आरोपी को शक था कि जोबा जादू-टोना करती थी, जिसके कारण उसके पिता बीमार थे।''

सेनापति ने बताया कि घटना के बाद आरोपी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि रायरांगपुर अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद मृतका के शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

भुवनेश्वर में यूट्यूबर की चाकू मारकर हत्या, तीन लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। भुवनेश्वर में एक 'यूट्यूबर' की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार रात करीब 10 बजे मंचेश्वर थानाक्षेत्र के अंतर्गत जीजीपी कॉलोनी में हुई और मृतक की पहचान पलासुनी इलाके के निवासी राहुल महाराणा के रूप में हुई है।

एक अधिकारी ने बताया कि तीन लोगों ने कहासुनी के बाद महाराणा पर धारदार हथियार से हमला किया। उन्होंने बताया कि वह खून से लथपथ पड़ा था, जिसके बाद स्थानीय लोग उसे एक नजदीकी निजी अस्पताल ले गए।

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद उसे कैपिटल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और तीन लोगों को गिरफ्तार करके अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद कर लिया। उन्होंने कहा कि हत्या का कारण पता लगाने के लिए जांच जारी है।

क्रिकेट के भगवान का शुक्रिया, पीले रंग की जर्सी में विदाई का यह अच्छा तरीका : हीली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होबार्ट/भाषा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने रविवार को यहां तीसरे और आखिरी मैच में 158 रन की शानदार पारी खेलकर विश्व चैंपियन भारत पर 185 रन की जीत से वनडे से शानदार विदाई लेने के बाद क्रिकेट के भगवान का शुक्रिया अदा किया।

पैंतीस साल की हीली के लिए यह किसी परीकथा जैसा आखिरी पल था जिनके 158 रन और बेथ मूनी के नाबाद 106 रन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 409 रन का बड़ा स्कोर बनाया। भारतीय टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर आउट हो गई और तीन मैचों की सीरीज 0-3 से गंवा बैठी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुनी गई हीली ने मैच के बाद कहा, ''मुझे लगता है कि हम कितना अजीब खेल खेलते हैं कि यह आपको इतनी बार नीचे गिरा सकता है और फिर आपको आज जैसे मौके दे सकता है। '' उन्होंने कहा, ''मुझे हर उपलब्धि वाला मैच पसंद नहीं आया इसलिए आज बस क्रीज पर जाकर उसका मजा लेने का मौका था। और यह मेरे सबसे मजेदार अनुभवों में से एक था। तो इसके लिए क्रिकेट के भगवान का शुक्रिया। और हां, पीले रंग की (वनडे की) जर्सी में विदाई लेने का एक अच्छा तरीका है। '' इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने गेंद से भी मदद की। उन्होंने अपने आखिरी वनडे मैच में दो ओवर में 12 रन दिए। हीली छह मार्च से भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाले एकमात्र गुलाबी टेस्ट के बाद अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगी। यह पूछने पर कि क्या मजेदार था, 158 रन बनाना या गेंदबाजी करना? उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से गेंदबाजी करना। वनडे चरण को हमने जिस तरह से खत्म किया, उससे मुझे गर्व महसूस हो रहा है। और अब वाका जाकर गुलाबी गेंद से खेलने का इंतजार है। '' भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने माना कि उनकी टीम ने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला जिससे उन्हें हार मिली और उन्होंने वनडे प्रारूप में बार-बार हुई गलतियों की ओर इशारा किया।

सुविचार

हौसला नहीं छोड़ना चाहिए कई बार क्योंकि कभी-कभी ताला गुच्छे की आखिरी चाबी से भी खुल जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ढह गया खामेनेई का 'अभेद्य' किला

इजराइल ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का खात्मा कर ही दिया। इस कार्रवाई में उसे अमेरिका का साथ मिला। ईरान कोई मामूली देश नहीं है। उसके पास तेल और गैस के बड़े भंडार हैं, सक्षम सुरक्षा बल हैं, उन्नत मिसाइल तकनीक है, लेकिन इजराइल-अमेरिका के सामने उसकी ताकत किसी काम नहीं आई। पहले, ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि ईरान नुकसान बर्दाश्त करने के बावजूद अपने दम पर दो हफ्ते तक जरूर खड़ा रहेगा। किसे पता था कि कुछ ही घंटों में सर्वोच्च नेता निशाना बन जाएंगे! खामेनेई की सुरक्षा का बहुत ध्यान रखा जाता था। उनके निजी ठिकाने अभेद्य किले समझे जाते थे। वे ऐसी तकनीक का इस्तेमाल नहीं करते थे, जिससे दुश्मन को जरा-सी भी भनक लग जाए। फिर भी इजराइल ने उस जगह का पता लगा लिया, जहां खामेनेई मौजूद थे। इससे संकेत मिलता है कि किसी ने सर्वोच्च नेता के बारे में सूचना भेजी होगी। ईरान में इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद का बड़ा नेटवर्क है। उसने कई क्षेत्रों में घुसपैठ कर रखी है। जब 7 अक्टूबर, 2023 को हमास ने इजराइल के नागरिकों पर हमला किया था, तब मोसाद की सुस्ती को लेकर सवाल उठे थे। हालांकि उसके बाद इजराइल ने जैसा पलटवार किया, उससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था कि एक दिन खामेनेई पर हमला होगा। अब खामेनेई तो नहीं रहे। आगे क्या होगा? क्या ईरान के रुख में नरमी आएगी? अभी अयातुल्ला अलीरेजा अराफी को सर्वोच्च पद की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन वे ऐसे मुश्किल समय में कब तक नेतृत्व कर पाएंगे? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कह दिया है कि जरूरत पड़ने पर बमबारी जारी रहेगी। ऐसे में अलीरेजा अराफी कितने दिन सुरक्षित रह पाएंगे?

ईरान की आर्थिक स्थिति पहले ही खस्ता हो चुकी है। उसकी मुद्रा का भारी पतन हुआ है। बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। कारोबार में अनिश्चितता बनी हुई है। कई इलाके गंभीर जलसंकट का सामना कर रहे हैं। ऐसे हालात में ईरान युद्ध लड़ेगा तो कब तक? जब आर्थिक मोर्चे पर समीकरण बिगड़ेंगे तो जनता का असंतोष भड़क सकता है। हाल में जब रियाल का ऐतिहासिक पतन हुआ तो ईरान के कई इलाकों में उग्र विरोध प्रदर्शन होने लगे थे। उन्हें दबाने के लिए जमकर बलप्रयोग हुआ था, जिसके नतीजे में हजारों लोग मारे गए थे। अगर निकट भविष्य में लोग दोबारा उसी तरह सड़कों पर उतरे तो सरकार के लिए हालात पर काबू पाना बहुत मुश्किल हो सकता है। इजराइल और अमेरिका जानते हैं कि सैन्य कार्रवाई एकमात्र विकल्प नहीं है, इसलिए दोनों ही ईरानी जनता से सड़कों पर उतरने की अपील कर रहे हैं। निर्वासित क्राउन प्रिंस रेज़ा पहलवी खासे उत्साहित हैं। वे अंतिम विजय सुनिश्चित करने और ईरान की आज़ादी का उत्सव मनाने की बात कहकर अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब सबका ध्यान आईआरजीसी की ओर है। उसके कमांडर अपने जोश और जज्बे का जिक्र करते हुए इजराइल एवं अमेरिका को चेतावनी दे रहे हैं। किसी भी लड़ाई में जोश और जज्बे की जरूरत होती है, लेकिन एक हद तक। आज की लड़ाई तकनीकी उन्नति पर ज्यादा निर्भर है। एक शक्तिशाली मिसाइल सैकड़ों सैनिकों के कौशल पर भारी पड़ सकती है। इस मामले में ईरान अपने प्रतिद्वंद्वियों से काफी पीछे है। अगर आईआरजीसी खामेनेई के विरोधियों का दमन करना शुरू करेगी तो यह इजराइल-अमेरिका के लिए सुनहरा मौका होगा। ट्रंप ने उसे हथियार उठाने से रोकने के लिए यह कहते हुए चेतावनी दी है कि 'अभी सुरक्षा मिल सकती है, बाद में सिर्फ मौत मिलेगी!' अब ईरान का भविष्य उसके अगले कदम पर निर्भर करेगा। अगर उसने परमाणु कार्यक्रम, लंबी दूरी की मिसाइलों का निर्माण और इजराइल के खिलाफ हिज़्बुल्लाह, हमास समेत दर्जनों कट्टरपंथी संगठनों को समर्थन देना जारी रखा तो टकराव बढ़ेगा, जिसके भयावह नतीजे निकल सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपको यशस्वी, सुदीर्घ एवं आरोग्यमय जीवन की प्राप्ति हो तथा आपके नेतृत्व में राज्य विकास और सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित करे, जनकनंदिनी माँ जानकी से यही प्रार्थना है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज जयपुर में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (गखढज) द्वारा आयोजित टाउन रिप्रजेन्टेटिव नेशनल कॉन्क्लेव एवं विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर नवकार मंत्र के रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

-भजनलाल शर्मा

सचिवालय स्थित कार्यालय में बिहार सरकार की माननीया खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह जी से शिष्टाचार भेंट हुई। इस प्रकार की संवादात्मक बैठकों से राज्यों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान होता है और महिला सशक्तिकरण, खेल, पर्यटन तथा अन्य क्षेत्रों में नई संभावनाओं के द्वार खुलते हैं।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सत्य और मानव धर्म

बनारस में सञ्जन नाम के एक महाज्ञानी गुरु रहते थे। उनसे शिष्य शिक्षा ग्रहण करते थे। आम के वृक्ष के नीचे शिष्यों से सञ्जन कह रहे थे-'मानव को अपने जीवन में सदा सत्य वचन ही बोलना चाहिए। तभी एक शिकारी दौड़ता हुआ गुरु के पास आकर बोला-'गुरुजी! मेरे प्राण संकट में हैं, मेरी रक्षा करो, यदि मैं मर गया तो मेरे अंधे मां-बाप बे-सहारा हो जाएंगे।'गुरु ने कारण पूछा तो वह बोला- 'मैंने शिकार समझ कर तीर छोड़ा तो वह आदिवासी को लगा अब आदिवासी लोग मुझ पर तीर चलाने लगे, मैं अपनी जान बचाकर भागा, वे आदिवासी भी तीर और भाले लेकर पीछे-पीछे आ रहे है। गुरु ने कहा-'घबराओ मत। शरण में आये व्यक्ति की रक्षा करना मेरा कर्त्तव्य है, तुम आश्रम में जाकर एक कोने में छिप जाओ। थोड़ी ही देर में आदिवासी तीर और भाले लेकर आये और पूछा- 'महात्मा जी। क्या इधर से कोई आदमी गुजरा है? गुरुजी ने कहा, 'इधर तो कोई आदमी नहीं आया।' गुरु की बात सुनकर आदिवासी दूसरे रास्ते की तरफ बढ़ गये। तभी एक शिष्य ने पूछा, 'लेकिन, गुरुजी! आप तो कह रहे थे, मानव को सदा सत्य वचन बोलना चाहिए?' गुरुजी ने कहा, 'अगर झूठ बोलने से किसी व्यक्ति के प्राण बच जायें तो वह झूठ सौ सत्य से भी बढ़कर कहलाता है।'

सामयिक

तेल, ताकत और सत्ता समीकरण साधने में जल उठा मध्य-पूर्व

डॉ. एस.डी. वैष्णव

ईरान और अमेरिका के मध्य बढ़ते तनाव और परमाणु संवर्धन कार्यक्रम पर जारी गतिरोध के बीच जिनेवा में आयोजित वार्ता के सार्थक परिणाम नहीं निकले। दुनिया के दीगर मुल्कों को जिस बात की चिंता थी, आखिर वही हुआ। मध्य-पूर्व एक बार फिर बारूदी आग में जल उठा। जिनेवा वार्ता लगभग बेनतीजा रही, जिसका चरमोत्कर्ष ईरान पर हमले के रूप में हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने सीक्रेट वॉर रूम में गए, जहाँ से इजरायल और अमेरिकी सैनिकों को ईरान पर हमले की हरी झंडी दी। मोसाद और सीआइए की पहुँच ईरान में हर जगह मौजूद थी। पहले ही वॉर में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से संबंधित प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया ने खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों और आईआरजीसी के शीर्ष कमांडरों के मारे जाने की पुष्टि की है। अमेरिका ने जिस तरह से ईरान के चारों ओर अपने जंगी युद्धपोत और हजारों सैनिक तैनात किए थे जो एक मनोवैज्ञानिक दबाव के साथ, ईरान को कड़ा संदेश था, क्षेत्रीय आक्रामकता के खिलाफ प्रतिरोधी संकेत का।

अमेरिका इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला पहले ही सुनियोजित कर चुका था। जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरानी नागरिकों के मोबाइल पर संदेश आ रहे थे कि डोनाल्ड ट्रंप एक्शन लेने वाले 'व्यक्ति' हैं, लिहाजा तय था कि युद्ध के आसार प्रबल हैं। जिनेवा वार्ता असफल होने के बाद अमेरिका ने अपने नागरिकों से इजरायल छोड़ने को कह दिया था। मध्य-पूर्व में व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने ईरान को जिनेवा वार्ता विफल होने पर युद्ध की चेतावनी दी थी। ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध और ट्रंप टैरिफ के कारण वहाँ की आर्थिक व्यवस्था बेपटरी हो गई थी। ईरानी लोगों में अमेरिकी हमलों का भय व्याप्त था। अपने संभावित जान-माल के नुकसान को देखते हुए, वहाँ के आम लोगों ने निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी को समर्थन देना भी शुरू कर दिया था।

ईरानी की आम जनता भी वर्तमान शासन व्यवस्था से कई मोर्चों पर संतुष्ट नहीं है। पहले हिजाब को लेकर महिलाओं ने आंदोलन छेड़ा था। अब उग्र जनता भीड़ के रूप में पूरे देश में सड़कों पर थी। जगह-जगह हिंसक प्रदर्शन हो रहे थे। इस्लामी शासन के विरोध में नारे लग रहे हैं। इन दिनों आर्थिक संकट और महंगाई की मार से जूझ रहे ईरान के हालात पहले से ही बेकाबू थे। ईरान की जनता ने ख़ामेनेई के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था।

यानी ख़लीफा के विरुद्ध विद्रोह। अमेरिका की विदेश नीति और सैन्य आक्रामकता के सहारे विस्तारवादी सोच यही संकेत देती है कि वह कहीं न कहीं ईरान की परमाणु संवर्धन परियोजना पर नियंत्रण के बहाने ईरान में तख्तापलट और अपने क्षेत्रीय सहयोगियों (इजरायल) और मध्य-पूर्व में स्थित अपने सैन्य बेस की सुरक्षा चाहता है। आखिर, डोनाल्ड ट्रंप ने कह दिया था कि सरेंडर नहीं करने की स्थिति में वे ईरान में सत्ता परिवर्तन करके रहेंगे।

ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम पर रोक लगाने से ज्यादा, सत्ता परिवर्तन महत्वपूर्ण मुद्दा था और इसके लिए पर्दे के पीछे अमेरिका रंगमंच के लिए नई पटकथा लिख रहा था। कोई एक देश चाह कर भी सीधे अमेरिका से टक्कर नहीं ले सकता। भू-राजनीतिक हलकों में हर देश के अपने आर्थिक-राजनीतिक हित जुड़े हुए हैं। ईरान में कुछ दिन पूर्व गृह युद्ध के हालात पैदा हो गए थे, जिन्हें नियंत्रित किया जा रहा था। मध्य-पूर्व में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए अमेरिका किसी भी हद तक जा सकता है। वैसे ईरान वेनेजुएला नहीं है। वह विरोध के अंतिम स्तर तक जाकर लड़ेगा। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल पर कई बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए और मध्य-पूर्व में स्थित लगभग सभी अमेरिकी सैन्य बेस पर बारूद बरसा कर अमेरिका को खुली चुनौती दे दी है। लेकिन, अतीत की घटनाएँ यही संकेत देती हैं कि अमेरिका और इजरायल के हमलों के साथ ईरान में उठे जन आंदोलन का रूपांतरण सत्ता परिवर्तन के रूप में हो, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा।

वैसे मध्य-पूर्व में अमेरिकी नीति एक महंगी और अनावश्यक आपदा है। जिस तरह से रूस ने भी उम्मीद नहीं की होगी कि यूक्रेन के साथ युद्ध इतना लंबा चल जाएगा, ठीक वैसे ही अमेरिका और इजरायल का ईरान के साथ युद्ध लंबा खींच सकता है। ईरानी प्रोक्सी हिज्बुल्लाह, हूती, हमास आदि ईरान के समर्थन में उतर आए हैं। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड क्रॉप्स अपनी मिसाइलों की धार पहले से ज्यादा तेज करके बैठा ही था। ईरान ने अपने कई पड़ोसी देशों पर भी हमने शुरू कर दिए हैं, जिससे पूरा मध्य-पूर्व युद्ध की जद में आ गया है। आशंका यह भी है कि अमेरिका के मौजूद रहते, ईरान ज्यादा दिन तक इस युद्ध में खड़ा नहीं रह पाएगा।

बहरहाल, वैश्विक महाशक्तियों को युद्ध रुकवाना चाहिए, अन्यथा क्षेत्रीय हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। अमेरिका की इन आक्रामक नीतियों के कारण दुनिया कहीं तीसरे विश्व युद्ध की ओर तो नहीं जा रही है? वैसे युद्ध के हालातो के बीच भी मनुष्यता की रक्षा के लिए प्रकाश की एक महीन फाँक भी हमारे भीतर जिंदा रहनी चाहिए। लेकिन, यह कैसा विरोधाभास है कि शांति के नोबेल पुरस्कार की चाह रखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक ध्रुवीय विश्व बनाने की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। जिसकी लाठी उसकी भैंस। सामर्थ्यवान को कौन क्या कहे! तुलसीदास जी ने लिखा है- समरथ को नहीं दोष गोसाईं। मध्य-पूर्व हमेशा आग में जलता रहा है। लेकिन, इन विकट हालातों में मनुष्यता के हित में मध्य-पूर्व के लिए शांति की उम्मीद की जानी चाहिए।

मंथन

वैश्विक शक्ति-संतुलन का नया दौर

डॉ. शैलेश शुक्ला

वर्तमान युग की सबसे बड़ी सीख यही है कि प्रभुत्व की आकांक्षा अंततः अस्थिरता को जन्म देती है, जबकि साझेदारी स्थायित्व का मार्ग प्रशस्त करती है। इतिहास बताता है कि हर साम्राज्य जिसने स्वयं को अजेय समझा, अंततः समय के साथ क्षीण हुआ। आधुनिक वैश्विक व्यवस्था में सूचना-प्रौद्योगिकी, वित्तीय परस्परनिर्भरता और जनमत की शक्ति ने किसी भी राष्ट्र के लिए पूर्ण वर्चस्व को लगभग असंभव बना दिया है। इसलिए विवेकपूर्ण नीति वही है जो शक्ति-साझेदारी, पारस्परिक सम्मान और नियम-आधारित बहुपक्षीय सहयोग को प्राथमिकता दे।

इक्कीसवीं शताब्दी का वैश्विक परिदृश्य यह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि किसी एक राष्ट्र की स्थायी प्रभुत्व-व्यवस्था अब संभव नहीं रह गई है। आधुनिक अंतरराष्ट्रीय संबंधों की संरचना, जो दो विश्वयुद्धों की त्रासदी के बाद बहुपक्षीय सहयोग, संधियों और संस्थागत संतुलन के आधार पर निर्मित हुई थी, आज ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रही है जिसमें पारंपरिक महाशक्तियों का वर्चस्व चुनौती के घेरे में है और नई उभरती शक्तियाँ वैश्विक शासन में अपने अधिकारपूर्ण स्थान की मांग कर रही हैं। यह परिवर्तन आकस्मिक नहीं बल्कि ऐतिहासिक अनिवार्यता का परिणाम है। इसलिए यह सिद्धांत कि किसी भी राष्ट्र का प्रभुत्व-चाहे वह लोकतंत्र, नियम-आधारित व्यवस्था या मानवीय हस्तक्षेप के नाम पर क्यों न प्रस्तुत किया जाए-स्थायी रूप से स्वीकार्य नहीं हो सकता, आज पहले से अधिक प्रासंगिक हो गया है।

शीतयुद्ध काल ने विश्व को ऐसी विरासत दी जिसमें दो महाशक्तियों ने वैश्विक राजनीति को प्रभावक्षेत्रों में बाँट दिया था और अनेक देशों की आंतरिक राजनीति बाहरी हस्तक्षेप से प्रभावित होती रही। सोवियत संघ के विघटन से पहले ही यूनिपोलर मोमेंट की अवधारणा सामने आ चुकी थी, जिसके अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका एकमात्र वैश्विक महाशक्ति बन गया था। किंतु यह स्थिति स्थायी सिद्ध नहीं हुई। उभरती अर्थव्यवस्थाओं, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शक्तियों के उदय ने धीरे-धीरे शक्ति-संतुलन को बहुध्रुवीय दिशा में मोड़ दिया। चीन की औद्योगिक प्रगति, भारत और ब्राज़ील जैसे देशों के बाज़ार विस्तार, खाड़ी क्षेत्र की ऊर्जा-संपन्नता तथा रूस की रणनीतिक पुनर्संरचना ने यह दिखा दिया कि एकध्रुवीय विश्व-व्यवस्था केवल अस्थायी चरण थी।

वैश्विक आर्थिक आँकड़े इस परिवर्तन की पुष्टि करते हैं। वर्ष 2000 के आसपास विश्व सकल घरेलू उत्पाद में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत से अधिक थी, जो 2023 तक घटकर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास रह गई, जबकि चीन की हिस्सेदारी इसी अवधि में लगभग 4 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 18 प्रतिशत तक पहुँच गई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम आकलनों के अनुसार क्रय-शक्ति समता के आधार पर उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ मिलकर विश्व अर्थव्यवस्था के 60 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करती हैं। यह आँकड़ा केवल आर्थिक बदलाव नहीं बल्कि शक्ति-संतुलन के संरचनात्मक रूपांतरण का संकेत है, क्योंकि आर्थिक वजन ही अंततः राजनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव को जन्म देता है। यदि कोई राष्ट्र इस यथार्थ को स्वीकार नहीं करता तो वह स्वयं को वैश्विक प्रवाह से अलग कर लेता है।

एकध्रुवीय प्रभुत्व की सीमाएँ सैन्य क्षेत्र में भी स्पष्ट हुई हैं। 11 सितम्बर 2001 के बाद आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध के नाम पर आरंभ किए गए अभियानों ने यह दिखाया कि अत्यधिक सैन्य शक्ति भी स्थायी राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। अफगानिस्तान और इराक में लंबे हस्तक्षेपों ने भारी वित्तीय लागत, मानवीय क्षति और घरेलू राजनीतिक असंतोष को जन्म दिया, जबकि अपेक्षित स्थिरता प्राप्त नहीं हुई। इससे यह धारणा मजबूत हुई कि बलपूर्वक वर्चस्व स्थापित करने की नीति न केवल नैतिक रूप से विवादास्पद है बल्कि व्यावहारिक दृष्टि से भी टिकाऊ नहीं।

बहुध्रुवीयता का उदय केवल शक्ति-प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग की नई संभावनाएँ भी खोलता है। आज जलवायु परिवर्तन, महामारी-नियंत्रण, साइबर सुरक्षा, खाद्य संकट और ऊर्जा संतुलन जैसी चुनौतियाँ ऐसी हैं जिन्हें कोई एक राष्ट्र अकेले हल नहीं कर सकता। इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब वैश्विक शासन संस्थाएँ अधिक प्रतिनिधिक, न्यायसंगत और सहभागी बनें। संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार की माँग इसी आवश्यकता से उत्पन्न हुई है, क्योंकि वर्तमान संरचना अभी भी उस युग की झलक देती है जब शक्ति-संतुलन सीमित देशों के हाथों में था।

इसके साथ-साथ वैश्विक दक्षिण की आवाज़ पहले से अधिक मुखर हुई है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देश अब केवल नीति-अनुगामी नहीं बल्कि नीति-निर्माता बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं। क्षेत्रीय मंचों, बहुपक्षीय गठबंधनों और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं का विस्तार इस प्रवृत्ति का प्रमाण है। यह परिवर्तन अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अधिक संतुलित और लोकतांत्रिक बना सकता है, बशर्ते बड़ी शक्तियाँ प्रतिस्पर्धा को टकराव में बदलने के बजाय सहयोग में रूपांतरित करने का विवेक दिखाएँ।

वर्तमान युग की सबसे बड़ी सीख यही है कि प्रभुत्व की आकांक्षा अंततः अस्थिरता को जन्म देती है, जबकि साझेदारी स्थायित्व का मार्ग प्रशस्त करती है। इतिहास बताता है कि हर साम्राज्य जिसने स्वयं को अजेय समझा, अंततः समय के साथ क्षीण हुआ। आधुनिक वैश्विक व्यवस्था में सूचना-प्रौद्योगिकी, वित्तीय परस्परनिर्भरता और जनमत की शक्ति ने किसी भी राष्ट्र के लिए पूर्ण वर्चस्व को लगभग असंभव बना दिया है। इसलिए विवेकपूर्ण नीति वही है जो शक्ति-साझेदारी, पारस्परिक सम्मान और नियम-आधारित बहुपक्षीय सहयोग को प्राथमिकता दे।

अंततः इक्कीसवीं सदी का वैश्विक संदेश स्पष्ट है-विश्व अब किसी एक शक्ति के प्रभुत्व से संचालित होने वाला नहीं, बल्कि अनेक शक्तियों के संतुलित सहअस्तित्व से संचालित होने वाला युग है। जो राष्ट्र इस परिवर्तन को समझकर अपनी नीतियों को अनुकूलित करेंगे, वही स्थायी प्रभाव बनाए रख सकेंगे; जो इसे नकारेंगे, वे इतिहास की धारा के विपरीत खड़े होकर स्वयं को अलग-थलग पाएँगे। बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था कोई अस्थायी प्रवृत्ति नहीं बल्कि समकालीन वैश्विक यथार्थ है, और इसी यथार्थ को स्वीकार करना भविष्य की स्थिरता, शांति और न्यायपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है।

नजरिया

दिलों को दिल से जोड़ती पवित्र सनातनी होली

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

फाल्गुनी रंगों से मनाई जाने वाली होली न सिर्फ भाईचारे ,सौहार्द्र और प्यार,स्नेह का त्यौहार है। यह महान पर्व शत्रुता हरण करने वाला भी पवित्र त्यौहार है। होलिका दहन और रंगों के खेलने की की परंपरा अलौकिक है। होलिका दहन के रूप में समाज में व्याप्त बुराई को नष्ट करने की अद्भुत परंपरा सिर्फ हमारे देश में ही है। ऐसी विलक्षण तथा इस होलिका दहन तथा होली के इस पावन पर्व पर जुड़ी हुई है। प्राचीन सांस्कृतिक कथा के अनुसार हिरण्यकश्यपु नामक राक्षस राजा हुआ करता था। प्राचीन काल मे ब्रम्हाजी की तपस्या से उसने वरदान प्राप्त कर लिया था कि उसे न देवता मार सके न ही कोई अन्य जीव जन्तु, न दिन मे मरे न रात मे, न अस्त्र से न शस्त्रों से, न धरती पर न आकाश मे उसकी मृत्यु हो, इस तरह उसने अमरत्व प्राप्त कर लिया था। धीरे धीरे उसे इतना घमंड हो गया कि वह अपने को भगवान विष्णु और ब्रह्मा से बढकर भगवान समझने लगा, राज्य मे कोई व्यक्ति किसी भगवान की पूजा नही कर सकता था, केवल हिरण्कश्यपु की ही पूजा हो सकती थी।

कालांतर में उसके एक पुत्र हुआ, बालक बडा

ही धार्मिक प्रवृत्ति का था और भगवान विष्णु का भक्त भी, यह बात राजा को अत्यंत नागवार गुजरती थी, उसने अपने पुत्र को बहुत समझाने का प्रयास किया कि उसका पिता राजा हिरण्यकषिपु ही एकमात्र भगवान है, पर बालक अपने पिता के इस अधर्मी आदेश को नही मानता था, बालक प्रह्लाद के ऊपर सख्ती करने हेतु उसके पिता हिरण्यकशयपु ने उसे समुद्र में फेंकने का आदेश दिया, उसे हाथी कुचलने का आदेश दिया, पहाड से नीचे फेंका गया पर भगवान विष्णु की भक्ति और दया से बालक प्रह्लाद जीवित सकुशल बच गया। अंत में राजा ने अपनी बहन और बालक प्रह्लाद की बुआ होलिका का सहारा लिया, होलिका को जी तपस्या से एक ऐसे कपडे का वरदान प्राप्त था, जिसे पहनने पर वह अग्नि से जल नही सकती थी।

इसी वरदान का फायदा उठाते हुए, होलिका ने बालक प्रह्लाद को गोद मे लेकर अग्नि स्नान किया, पर होलिका की चुनरी उड कर प्रह्लाद पर लिपट गई और दुष्ट होलिका जलकर भस्म हो गई, प्रह्लाद फिर बच गए। इस तरह होलिका दहन का त्यौहार होलीका नामक बुराई को अग्नि से खत्म करने की प्रथा चली आई है। प्रह्लाद को राजा ने एक विशाल खंबे से बांध दिया और तलवार लेकर उसपर टूट पडा और पूछा बता तेरा भगवान कहां है ,बालक ने बड़ी निडरता से कहा भगवान हर जगह हैं, आप में, मुझ में, आपकी तलवार मे इस, इस खंबे में भी। तब हिरण्यकश्यपु ने क्रोध से कहा तो देख तेरा भगवान तुझे कैसे बचाता है और उसने उसे मारने के लिए तलवार उठाई, तभी खंबे को फाड़कर एक भयानक जीव निकला, जो न नर था न दानव उसने राजा को गोद मे लिया और अपने नुकीले नाखून से राजा का पेट फाड दिया। बालक प्रह्लाद की अनन्य भक्ति को देखकर उसको भक्त प्रह्लाद कहा जाने लगा। भगवान विष्णु के अवतार नरसिंह भगवान ने हिरण कश्यप का वध कर अहम दंभ और बुराइयों को खत्म किया और तब से होली का त्योहार प्राचीन समय से भारत देश में मनाया जा रहा है। होली पूरे विश्व में अनूठा, अद्भुत, अतुलनीय भाईचारे प्रेम रूप में मनाया जाता है, एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर खुशियां मनाई जाती है, एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों का त्यौहार बहुत ही खुशी से मनाया जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दीपक गुप्ता ने गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। दीपक गुप्ता ने प्रमुख ऊर्जा कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया है। दिल्ली कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियर दीपक गुप्ता को ऑयल और गैस वैल्यू चेन में 35 साल से ज़्यादा का अनुभव है।

उनकी विशेषज्ञता प्रोजेक्ट और कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट, कॉन्ट्रैक्ट्स और ग्लोबल प्रोक्योरमेंट, टेक्नोलॉजी सिलेक्शन, बिज़नेस डेवलपमेंट, ऑपरेशंस और मेंटेनेंस में है। दीपक गुप्ता फरवरी 2022 में गेल में निदेशक (प्रोजेक्ट्स) के तौर पर शामिल हुए और प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइन, गैस प्रोसेसिंग यूनिट्स, एससीएडीए इंफ्रास्ट्रक्चर, नेट-ज़ीरो लक्ष्यों को पाने के लिए ग्रीन एनर्जी प्रयासों सहित कई बड़े प्रभाव वाली पहलों को लागू करने की अगुवाई कर रहे हैं। वे 20,000 किमी से ज़्यादा लंबे प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइन, कंप्रेसर स्टेशन और प्रोसेस प्लांट के बड़े नेटवर्क के ओ एंड एम की भी देखरेख करते हैं। उनके नेतृत्व में, गेल ने कोंकण एलएनजी लिमिटेड (गेल की सब्सिडियरी) के दाभोल ब्रेकवाटर प्रोजेक्ट को पूरा किया, जिससे हर मौसम में काम करना संभव हो गया। दीपक गुप्ता एक विचारशील लेखक भी हैं।

उन्होंने महत्त्वपूर्ण पैकेजों और प्रोजेक्ट निष्पादन को तेज करने पर कई तकनीकी पत्र/लेख लिखे हैं।

परियोजना में तेजी लाने, डिजिटलीकरण और उत्कृष्टता पर उनके विचारों को अपनाया गया है।

उद्घाटन

यूनियन इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव रविवार को गांधीनगर में गुजरात सेमीकनेक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 के उद्घाटन के दौरान।

परिवारिक विवाद की खबरों पर अफवाहों को हेमा मालिनी ने सिरे से खारिज किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के निधन के बाद परिवार में अनबन की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए सभी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। हाल ही में अलग-अलग प्रार्थना सभाओं को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं चल रही थीं, जिन पर प्रतिक्रिया देते हुए हेमा ने स्पष्ट कहा कि परिवार पूरी तरह एकजुट है और सभी सदस्य एक-दूसरे से गहरा लगाव रखते हैं। हेमा ने बातचीत में बताया कि धर्मेंद्र के लिए पूरा परिवार एक साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि चाहे उनकी बेटियां ईशा देओल और अहाना हों या फिर दूसरे परिवार के सदस्य सनी देओल और बॉबी देओल, सभी धर्मेंद्र से बेहद प्यार करते हैं और आपस में भी अच्छे संबंध शेयर करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जहां धर्मेंद्र जैसे व्यक्तित्व की छाया होती है, वहां नकारात्मकता की कोई जगह नहीं होती। अपनी निजी जिंदगी को लेकर हेमा ने दो टूक कहा कि उनका परिवार इन भावनात्मक पलों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने में विश्वास नहीं रखता। उन्होंने कहा कि उन्हें 'बॉर्डर 2' की स्क्रीनिंग के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन वह शामिल नहीं हो पाईं। इसके बावजूद परिवार के बीच कोई दूरी नहीं है और सभी मिलकर इस कठिन समय का सामना कर रहे हैं। हेमा ने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय सच्चाई को समझें और परिवार की निजता का सम्मान करें।

अपने ही लोगों के खून के प्यासे हुए लोग, परिवारों में बढ़ रही भयावह हिंसा

नई दिल्ली/भाषा। देश के अलग-अलग हिस्सों में हालिया कुछ समय में भयावह आपराधिक घटनाएं सामने आईं जिनमें अपने ही लोग अपराधी बनकर सामने आए हैं। लखनऊ में एक बेटे ने बहस के बाद अपने पिता को गोली मार दी और फिर शव के टुकड़े कर दिए। वहीं, दिल्ली के समयपुर बादली में एक व्यक्ति ने अपनी गर्भवती पत्नी और तीन, चार व पांच वर्ष की तीन बेटियों का कथित तौर पर गला रेत दिया।

परिवार में होने वाले अपराध से अलग तरह का डर पैदा होता है। इससे लगता है कि कभी-कभी घर ही खतरे की जगह बन सकता है। ऐसे मामलों में केवल हत्या नहीं होती बल्कि विश्वासघात भी होता है। यानी लोग अपने ही लोगों के खून के प्यासे हो जाते हैं।

बाल और किशोर मनोचिकित्सक डॉ. कविता अरोड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सभी मनुष्यों में आक्रामकता स्वाभाविक होती है। हालांकि, अधिकांश लोग समय के साथ विकसित नैतिकता, सहानुभूति, विश्वास और सुरक्षित जुड़ाव के माध्यम से अपने हिंसक व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी नैतिकता का यह धागा टूट जाता है जिसके बाद अत्यधिक हिंसा होती है। क्रूरता समाज को झकझोर देती है और सभी के मन में यही सवाल होता है कि ऐसा क्यों हुआ। अरोड़ा ने कहा, करीबी रिश्ते इसलिए बनाए जाते हैं ताकि हम सुरक्षित और अपनापन महसूस कर सकें। अगर इन रिश्तों में हिंसा होती है, तो इसका मतलब है कि भरोसा टूट गया है।

देश में परिवारों में होने वाली हिंसा नई बात नहीं है। सिर्फ एक बार गूगल पर खोज करने से ही पुरानी कई दुखद घटनाओं की यादें सामने आ जाती हैं।उदाहरण के लिए, 1995 का 'तंदूर कांड' याद किया जा सकता है, जिसमें युवा कांग्रेस के पूर्व सदस्य सुशील शर्मा ने विवाहेत्तर संबंधों के शक में अपनी पत्नी नलिनी साहनी को गोली मार दी और फिर शव को तंदूर में फेंकने की कोशिश की थी। यह मामला आज भी लोगों की यादों में ताजा है।

ऐसी सिलसिलेवार घटनाएं सामने आती रहती हैं। पिछले 15 दिन में भी इसी तरह की सिलसिलेवार घटनाएं सामने आईं। दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में पिछले हफ्ते एक महिला और उसकी तीन नाबालिग बेटियों के गले कटे हुए शव मिले। वारदात के बाद लापता हुए महिला के पति को शनिवार को राजस्थान के किशनगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया।

ईरान को क्षेत्रीय महाशक्ति बनाने में जुटे अयातुल्ला अली खामेनेई 86 वर्ष की उम्र में मारे गए

दुबई/एपी

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की 86 वर्ष की उम्र में मौत हो गई। खामेनेई ने 1989 से इस्लामी गणराज्य का नेतृत्व किया। खामेनेई ने ईरान के सर्वोच्च नेता के रूप में दशकों तक धार्मिक सत्ता स्थापित करने और देश को एक क्षेत्रीय महाशक्ति बनाने का प्रयास किया। उनका ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर इजराइल और अमेरिका के साथ टकराव रहा तथा उन पर देश में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों को कुचलने के भी आरोप लगे।

ईरान के सरकारी मीडिया ने रविवार तड़के इस बात की पुष्टि की कि इजराइल और अमेरिका के हमले में खामनेई मारे गए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले ही कहा था कि खामेनेई को संयुक्त अभियान में मार गिराया गया है।ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी की 1989 में मृत्यु के बाद खामेनेई ने सत्ता संभाला और इस्लामी गणराज्य को पूरी तरह से नया रूप दिया। खोमैनी एक जोशीले और करिश्माई विचारक थे जिन्होंने शाह को सत्ता से बेदखल कर शिया मुस्लिम धर्मगुरुओं का शासन स्थापित किया। उन्होंने खोमैनी से कहीं अधिक समय तक शासन किया। उन्होंने शिया धर्मगुरु वर्ग का व्यापक विस्तार किया और अर्द्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड को अपने शासन का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनाया। धीरे धीरे रिवोल्यूशनरी गार्ड देश में प्रमुख सैन्य ताकत बन गया और बैलिस्टिक मिसाइल का शस्त्रागार का प्रमुख भी बन गया।

हालांकि अपने परमाणु कार्यक्रमों को लेकर ईरान विश्व के देशों के निशाने पर आ गया, देश पर कई प्रतिबंध लगाए गए जिससे उसकी अर्थव्यवस्था डंवाडोल होती चली गई।इस बीच राजनीतिक दमन और लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों को हवा दी।

वर्ष 2022 में महसा अमिनी की मौत से उपजे आक्रोश ने सामाजिक पाबंदियों के खिलाफ प्रदर्शनों का रूप ले लिया। महसा को हिजाब नहीं पहनने के कारण हिरासत में लिया गया था।खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को कुचलने के लिए सबसे भीषण कार्रवाई की। सुरक्षा बलों ने भीड़ पर गोलियां चलाईं, जिसमें हजारों लोग मारे गए।

इसी दौरान, सात अक्टूबर, 2023 को ईरान समर्थित हमास ने इजराइल पर हमला कर दिया जिसके बाद ईरान और इजराइल के बीच टकराव हुआ। इजराइल ने जून 2025 में ईरान पर फिर से हमला किया, जब उसने और अमेरिका ने देश के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया। इस हमले में ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारी एवं परमाणु वैज्ञानिक मारे गए।

तापसी ने तोड़ी चुप्पी, बताया इंडस्ट्री का अनदेखा सच

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं और हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री की अंदरूनी सच्चाई पर खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में तापसी ने खुलासा किया कि उन्हें कई बार सिर्फ इसलिए फिल्मों से बाहर कर दिया गया क्योंकि फिल्म के मुख्य अभिनेता उनके साथ काम नहीं करना चाहते थे। तापसी ने कहा कि इंडस्ट्री में आज भी कई जगह कास्टिंग पर हीरो का प्रभाव हावी रहता है। उन्होंने बताया, मुझे सीधे तौर पर कभी नहीं बताया गया, लेकिन कई बार ऐसा महसूस हुआ कि मुझे इसलिए हटाया गया क्योंकि हीरो मुझे कास्ट नहीं करना चाहता था। उन्होंने आगे कहा कि अगर फिल्म का निर्देशक मजबूत और प्रभावशाली न हो, तो सेट पर हीरो की ही चलती है। उनका मानना है, जहां निर्देशक बड़ा नाम नहीं होता, वहां कास्टिंग और अन्य फैसलों में हीरो का दबदबा ज्यादा होता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी इन दिनों फिल्म अस्सी को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है।

'व्हाइट लोटस 4' में नहीं होंगी दीपिका पादुकोण

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण से जुड़ी एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। वह पहले बहुप्रतीक्षित फिल्में 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से बाहर होने को लेकर चर्चा में थीं। अब खबर है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीरीज 'द व्हाइट लोटस सीजन 4' में काम करने से भी इनकार कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीरीज के निर्माताओं ने दीपिका से संपर्क कर उन्हें ऑडिशन देने के लिए कहा था। अभिनेत्री ने ऑडिशन प्रक्रिया में हिस्सा लेने से साफ मना कर दिया, जिसके चलते यह मौका उनके हाथ से निकल गया। बताया जा रहा है कि 'द व्हाइट लोटस' की कास्टिंग प्रक्रिया में ऑडिशन अनिवार्य रखा गया था। निर्माता किसी भी कलाकार को अंतिम रूप देने से पहले उनका ऑडिशन लेना चाहते थे। सूत्रों के मुताबिक, दीपिका इस प्रक्रिया के लिए तैयार नहीं थीं, जिस कारण वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन पाईं। गौरतलब है कि इससे पहले भी निर्माताओं ने उन्हें तीसरे सीजन के लिए अप्रोच किया था, लेकिन उस समय वह प्रेग्नेंसी के चलते यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर सकी थीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका को आखिरी बार 'कल्कि 2898 एडी' में देखा गया था। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

होली

पटना में होली सेलिब्रेशन इवेंट के दौरान भूमिहार महिला समाज की महिलाएं होली खेलती हुई।

'स्प्लिट्सविला एक्स 6' की यादों में डूबीं निया शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

अपनी बेबाक और बिंदास पर्सनैलिटी को लेकर दर्शकों के दिलों में खास पहचान रखने वाली टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री निया शर्मा इन दिनों एमटीवी के पॉपुलर रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला एक्स 6' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री निया शर्मा ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर शो से रिलेटेड यादों को शेयर किया। इन तस्वीरों में उन्होंने शो के सेट से कई बिहाइंड-द-सीन्स मोमेंट्स शेयर किए, जिसमें होस्ट सनी लियोनी और करण कुंद्रा, उर्फी जावेद, हामिद बर्कजी और अन्य कंटेस्टेंट्स के साथ मजेदार पल शामिल थे। एक खास वीडियो में सनी लियोनी के बच्चे निशा, नोआ और अशर ने डिनर के दौरान प्यारी सी स्पीच दी। निया ने बताया कि शो के दौरान वह काफी इमोशनल हो गईं। उन्होंने बताया कि इस शो को याद करते हुए उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

निया ने लिखा, शो की यादों में खोकर मेरी आंखों में आंसू आ गए थे। ऐसे दिन जब आप खुश होने की कोशिश नहीं करते, बस सच में खुश होते हैं। सबसे अच्छे पल इतनी जल्दी यादें बन जाती हैं कि आप उन्हें पीछे नहीं लौटा सकते। 'स्प्लिट्सविला एक्स 6' में बहुत प्यार और नफरत है, लेकिन शो को देखने वालों की संख्या बहुत जबरदस्त है।उन्होंने आगे बताया कि एमटीवी चैनल उनके बचपन का पसंदीदा चैनल हुआ करता था। उन्होंने लिखा, इस सफर की शुरुआत करके मैं बहुत रोमांचित थी।एमटीवी 'स्प्लिट्सविला एक्स 6' एक डेटिंग रियलिटी शो है, जो एमटीवी इंडिया पर आता है। शो के अब तक 16 सीजन आ चुके हैं और इस शो को सनी लियोनी और करन कुंद्रा होस्ट कर रहे हैं। वहीं, उर्फी और निया भी नजर आ रही हैं। इनका काम प्रतियोगियों को चुनौती देना और खेल में बाधाएं डालना होगा। वे हर कदम पर प्रतियोगियों को उलझाएंगी और उन्हें अपने निर्णयों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर करेंगी। स्प्लिट्सविला शो 9 जनवरी से एमटीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है।

जेल से बाहर आने के बाद राजपाल यादव ने शुरू की नई पारी

मुंबई/एजेन्सी

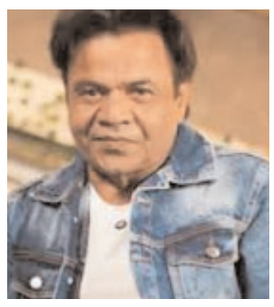

9 करोड़ के कर्ज में डूबे अभिनेता राजपाल यादव 13 दिन की जेल काटने के बाद बाहर आ चुके हैं और दोबारा काम पर वापसी भी कर चुके हैं। उन्होंने हाल ही में वैनिटी वैन से काम पर वापसी की वीडियो शेयर की और सपोर्ट करने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद दिया था। अब अभिनेता ने फिल्मों के साथ-साथ नए काम की शुरुआत भी कर दी है। अभिनेता ने फैंस से गुजारिश की है कि उनका प्यार और सपोर्ट बहुत जरूरी है। अभिनेता राजपाल यादव ने अपना नया यूट्यूब चैनल शुरू किया है, जिस पर वे नए तरीके से मनोरंजन परोसने वाले हैं। अभिनेता ने वीडियो जारी कर बताया कि उनके करियर में नई चीज जुड़ रही है और वो है यूट्यूब चैनल। उन्होंने कहा, एक नई पारी की शुरुआत करने के लिए कई दिनों से तैयारी कर रहा था और आज, वह दिन आ गया है। आज से हमारा यूट्यूब चैनल शुरू हो रहा है, जिसका आधिकारिक नाम राजपाल नौरंग यादव है। अभिनेता के चैनल का मिशन बुढ़े हो या नौजवान, हमको मनोरंजन मिले एक समान है। मतलब अब सिर्फ फिल्मों के जरिए ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया के जरिए भी गुदगुदाने वाले हैं।

अभिनेता राजपाल फिलहाल जेल से बाहर आने के बाद कमबैक के लिए पूरी तरह तैयार है। सिनेमाघरों में अभिनेता की फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। अभी सिर्फ फिल्म से जुड़े पोस्टर और पहला गाना रिलीज हुआ है। फिल्म कॉमेडी से भरपूर होने वाली है और फैंस बेसब्री से फिल्म के रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि अभिनेता को 9 करोड़ के कर्जवापसी मामले में दिल्ली के तिहाड़ जेल में 13 दिन बिताने पड़े थे। अभिनेता ने कर्ज अपनी फिल्म को प्रोड्यूस करने के लिए लिया था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरीके से पिट गई और यही वजह रही कि अभिनेता कर्जे में डूब गए। अभिनेता को कर्ज से उबारने और जेल से बाहर निकालने की मुहीम अभिनेता सोनू सूद ने शुरू की, और फिर धीरे-धीरे बॉलीवुड के बड़े चेहरे ने अभिनेता को बाहर निकालने के लिए मदद के लिए बड़ी राशि दान की।

'छेलेधोरा' में स्वास्तिका मुखर्जी का दमदार किरदार, मुश्किल हालातों में ताकत खोजने की कहानी

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में महिलाओं के जटिल किरदारों को लेकर दिखाई गई फिल्मों में अब दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ी है। इसी कड़ी में एक नई बंगाली फिल्म 'छेलेधोरा' चर्चा में है, जो मां-बेटी के रिश्ते, अपराधबोध, और आत्म-खोज जैसी भावनाओं पर केंद्रित है। यह फिल्म एक इंडो-अमेरिकन प्रोडक्शन है और 1 मार्च से इसकी शूटिंग शुरू होने जा रही है। इस फिल्म में जानी-मानी अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने किरदार के बारे में बताया। फिल्म में स्वास्तिका 'बृष्टि' नाम की एक तलाकशुदा महिला का किरदार निभा रही हैं, जो भावनात्मक रूप से काफी जटिल है और उसमें कई कमियां हैं।

स्वास्तिका ने फिल्म को लेकर कहा, ''यह कहानी उन पलों की है, जब इंसान खुद को सबसे कमजोर महसूस करता है, लेकिन उसी समय उसके अंदर से असली ताकत निकलती है। बृष्टि ऐसा किरदार है, जिसे पहली नजर में लोग शायद पसंद न करें, क्योंकि वह जल्दबाजी में फैसले लेती है और कई बार गलतियां करती है। लेकिन, अपनी बेटी के लिए उसका प्यार सच्चा और बेहद गहरा है।''

कहानी में बृष्टि अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए उसे बिना इजाजत अपने साथ ले जाती है। वह ऐसा कदम इमोशनल होकर उठाती है, लेकिन हालात अचानक गंभीर हो जाते हैं, जब बच्ची सच में किडनैप हो जाती है।

इसके बाद, कहानी एक अलग मोड़ लेती है। बृष्टि को अपनी गलती सुधारने और बेटी को वापस लाने के लिए असामान्य रास्ता अपनाना पड़ता है।स्वास्तिका ने बताया, ''कहानी में उनका यह सफर सिर्फ एक मां की तलाश नहीं है, बल्कि एक महिला की आत्म-खोज की यात्रा भी है। फिल्म इस बात को भी दिखाती है कि कई बार माता-पिता खुद अपनी कमियों को नहीं समझ पाते, लेकिन मुश्किल हालात उन्हें आईना दिखा देते हैं।''फिल्म का निर्देशन शिलादित्य मौलिक कर रहे हैं। उनका कहना है, '''छेलेधोरा' माता-पिता की कहानी है। फिल्म एक रोड जर्नी की तरह आगे बढ़ती है, जिसमें कई उतार-चढ़ाव और भावनात्मक मोड़ आते हैं। लेकिन, इसके केंद्र में हीलिंग, माफी और दूसरा मौका है। मेरा मानना है कि बच्चे कई बार बड़ों के लिए नैतिक दिशा दिखाने वाले बन जाते हैं और यह फिल्म उसी भावना को सामने लाती है।

''फिल्म की शूटिंग अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत शहरों ईटानगर और जीरो वैली में की जाएगी। शिलादित्य मौलिक ने कहा, ''अरुणाचल प्रदेश सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि वहां के प्रतिभाशाली कलाकारों और तकनीशियनों के लिए भी जाना जाता है। फिल्म की टीम में 14 सदस्य इसी क्षेत्र से हैं।''

होली

अगरतला में रविवार को अगरतला में महिलाएं 'गुलाल' लगाकर रंगों का त्योहार मनाती हुईं।

साहित्य मधुशाला की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी में बरसे होली और प्रेम के रंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर की साहित्यिक संस्था साहित्य मधुशाला ने होली के पावन अवसर पर शनिवार को एक ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें देश-विदेश के विभिन्न शहरों से जुड़े कवि-कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से अध्यात्म, प्रेम, रंग और उल्लास के रंग बिखेरे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बेंगलूरु के रचनाकार राजेंद्र गुलेच्छा ने की। उन्होंने दीप प्रज्वलन के साथ जय-जय माँ शारदे की रचना द्वारा सरस्वती वंदना कर गोष्ठी का शुभारंभ किया।

संस्था की संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालिका उषा जैन केडिया ने अपने चिर-परिचित अंदाज में संचालन करते हुए चार पंक्तियों के माध्यम से सभी रचनाकारों को क्रमवार रचना प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया।गोष्ठी में मीनाक्षी सुकुमारन ने कैसे चढ़े रंग प्रीत का, सुशीला फरमानिया दीप्त ने सतरंगी होली, दिलीप गांधी ने वही है रंग चेहरे पर, कमलेश गर्ग ने होली ये संदेशा लाई, कविताएँ पढ़कर होली के विभिन्न रंगों से पटल को सराबोर कर दिया। हेमा जालान कनक की रचना होली आई मस्ती छायी, नीलम अग्रवाल का गीत रंग में डूबे कुंवर कन्हैया एवं अनामिका अग्रवाल ने होली आई होली आई होली आई गीत के द्वारा बृज, बरसाने की होली की याद दिलाई।

हास्य व्यंग्य से भरी कविता के माध्यम से हरिप्रकाश गुप्ता ने तालियाँ बटोरी। सुषमा अग्रवाल, दीपिका मिश्रा डिम्पल अग्रवाल एवं माया पटवारी ने भी प्रासंगिक गीत एवं कविताएँ प्रस्तुत की।

उषा जैन केडिया ने सात रंग में बँधा है संसार कविता के माध्यम से सात अंक की महिमा का वर्णन किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष जैन राजेंद्र गुलेच्छा ने सभी रचनाओं की गहन एवं सुंदर समीक्षा प्रस्तुत की, जिसमें रचनाओं की भावनात्मक गहराई, शिल्प और होली के संदेश को रेखांकित किया गया।

उन्होंने भी काव्यात्मक अंदाज़ में अपने मुक्तक एवं होली पर आधारित अपनी रचनाओं से पटल को मंत्र मुग्ध कर दिया।अंत में अनामिका अग्रवाल (खरसिया) ने सभी अतिथियों, रचनाकारों और श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया, जिसके पश्चात गोष्ठी का विधिवत समापन हुआ।

होलिका दहन

धर्म सिंधु व प्रमाणित पंचांग अनुसार ग्रस्तोदय ग्रहण हो और पूर्णिमा प्रदोष के समय न हो तो पूर्व के दिन ही होलिका दहन पूजा करनी चाहिए, इसलिए इस बार होलिका दहन 2 मार्च को सायंकाल प्रदोष संध्या काल 6.28 बजे से 8.52 बजे तक करना चाहिए। रंग वाली होली यानी धुलेंडी वैसे तो होलिका दहन के दूसरे दिन मनाया जाता है, लेकिन रंग वाली होली खेलने के समय चंद्र ग्रहण का दुष्प्रभाव अपने ऊपर ना हो, इसलिए 4 मार्च को धुलेंडी पर्व मनाना चाहिए।

जगदीश आचार्य
मोबाइल
9448417398.

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने ईरान पर हमले की निंदा की, सुरक्षा परिषद में राजदूतों के बीच जुबानी जंग

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र (संरा) प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों की शनिवार को निंदा की जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिकी व इजराइली राजदूतों की ईरानी राजदूत से जबरदस्त बहस हुई।

महासचिव गुतारेस ने चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में सैन्य कार्रवाई से दुनिया के सबसे अस्थिर क्षेत्र में बेलगाम ''घटनाओं का सिलसिला'' शुरू होने का खतरा है।

गुतारेस ने शनिवार को सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक में कहा, ''हम अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं। सैन्य कार्रवाई से ऐसी घटनाओं का सिलसिला शुरू होने का खतरा है, जिसे दुनिया के सबसे अस्थिर क्षेत्र में कोई भी नियंत्रित नहीं कर सकता।''

संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय शक्तिशाली संस्था की बैठक अमेरिका व इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू करने और उसके बाद हुए जवाबी हमलों के कुछ घंटों बाद हुई। गुतारेस ने ईरान के खिलाफ अमेरिका व इजराइल के भीषण सैन्य हमलों की निंदा करने के साथ-साथ बहरीन, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की ''संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन'' कर किए गए ईरानी हमलों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''तेहरान में राष्ट्रपति भवन और सर्वोच्च नेता के परिसर वाले इलाके में बड़े विस्फोटों की खबर मिली है। खबरों के मुताबिक, कई उच्च पदस्थ अधिकारी मारे गए हैं। इजराइली सूत्रों के अनुसार, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई भी इन हमलों में मारे गए हैं हालांकि इसकी मैं पुष्टि करने की स्थिति में नहीं हूं।'' न्यूयॉर्क में सुरक्षा परिषद की बैठक के बीच फ्लोरिडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में अयातुल्ला की मौत की घोषणा की।

ट्रंप ने कहा, ''इतिहास के सबसे दुष्ट लोगों में से एक खामेनेई मारा गया। यह न केवल ईरान के लोगों के लिए न्याय है बल्कि सभी महान अमेरिकियों और दुनिया भर के कई देशों के उन लोगों के साथ भी न्याय है जिन्हें खामेनेई और उसके कातिल गुंडों के गिरोह ने मार डाला या अपंग कर दिया था।''

आदिनाथ जैन मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने की फागण फेरी

मंदिर में सजाई गई शत्रुंजय गिरिराज की प्रतिकृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर का सबसे पुराना जैन संघ आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट में रविवार को फागण फेरी के मौके पर हजारों की संख्या में पुरुष-महिला श्रद्धालुओं ने प्रभु के दर्शन, पूजन, प्रभु भक्ति, चैत्यवंदन आदि का लाभ लिया। आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीश्वरजी, पंन्यासश्री विमलपुण्यविजयजी व साध्वी गुरुआज्ञा निधिश्रीजी की निश्रा में फागण फेरी का आयोजन किया गया जिसके तहत मंदिर परिसर में सिद्धवड, भाडवा पर्वत, शाम्ब-प्रद्युम्न देहरी, रत्न प्रतिमा की गुफा, उल्का जल, जय तलेटी, रायण वृक्ष, अजितनाथ-शांतिनाथ की देहरी, चंदन तलावडी, देवकी के 6 पुत्र आदि मंदिर व स्थलों की प्रतिकृति बनाई गई। पूरे मंदिर

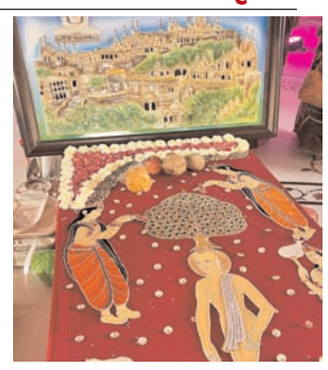

परिसर में उत्साह का माहौल था। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का आने का तांता लगा रहा जो देर शाम तक चलता रहा। सभी श्रद्धालुओं ने संतों की निश्रा में आयोजित शत्रुंजय गिरिराज की भावयात्रा में शामिल हुए तथा विभिन्न प्रतिकृति के दर्शन, पूजन कर फागण फेरी पूर्ण की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साहित्य संस्कृति सम्मेलन

वनाक्कल मल्लेश्वर मठ डबासपेट द्वारा आयोजित 'कन्नड़ साहित्य संस्कृति सम्मेलन' कार्यक्रम में गौ प्रेमी महेंद्र मुणोत एवं शिव गौ सेवा भक्त मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट के हनुमान माली को सम्मानित करते हुए मठ प्रमुख श्री बसवा रामानंद महा स्वामी एवं नेलमंगला बसवा देवर मठ के प्रमुख सिद्धालिंगेश्वर महा स्वामी। इस अवसर पर शिव गौ सेवा मंडल की ओर से मठ द्वारा संचालित गौशाला में गौसेवा के लिए एक लाख रुपए की सहयोग राशि का चेक सौंपा।

जेवाईएस सेवा ट्रस्ट ने समाजसेवा में सहयोग देने वालों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन (जेवाईएस) से सेवानिवृत सदस्यों के लिए गठित जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट निरंतर समाज के विद्यार्थियों की सहायता हेतु संकल्पित है और समाज के सेवा शिरोमणि, दानवीरों और भामाशाहों की मदद से जरूरतमंदों को सहयोग करता आ रहा है। संगठन के पूर्व अध्यक्ष और सेवा ट्रस्ट के धन संग्रह समिति के संयोजक सज्जनराज मेहता ने बताया कि 31 मार्च को भगवान महावीर जन्म कल्याणक पर ट्रस्ट द्वारा विभिन्न योजनाओं के लिए धन संग्रह किया जाता है। उसी कड़ी में सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक भंडारी, मंत्री विनोद नन्दावत और सज्जनराज मेहता ने शनिवार को योजना भामाशाह के रूप में सहयोग देने के लिए पूनम इलेक्ट्रिक के भवरलाल वेदमुथा 'काका', सतीशकुमार और जयप्रकाश का सम्मान किया। भवरलाल वेदमुथा ने संगठन और सेवा ट्रस्ट के कार्यकलापों की सराहना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

राधा किशन की होली

फागुन की रंगीन बेला में
पुलक उठा है अब मधुमास,
मन उपवन भी महक रहे हैं
पाकर पुष्पों की सुवास।

प्रेम के रंग में रंग गया है
बृज गोकुल बरसाना धाम,
प्रेम के रसिया अबीर उड़ाए
कलाई राधाजी की थाम।

कुञ्ज कुञ्ज में गूंज रहा है
कोकिल का मीठा रस-गान,
अवसाद भरे मन में फिर से
थिरक उठे हैं चंचल प्राण।

नटवर नागर की बांसुरी
छेड़ रही है अद्भुत तान,
ढोल मृदंग चंग थापों में
मचल उठे फागुन के गान।

सज संवर कर आई गोपियां
ले राधा को अपने साथ,
रंग लगाए श्याम सभी को
मल मल अपने दोनों हाथ।

ये रंग नहीं हैं होली के
ये प्रेम, मनुहार और मान,
आओ खेलें हम भी होली
भुलाकर वैर अभिमान।

चपल अदा कान्हा की देख
राधा अधर सजी मुस्कान,
आभा लाज की खिल उठी
लगा गुलाल कान्हा के गाल।

कदम्ब तले मधुरिम लीला
निकुंज वृन्दावन के धाम,
श्यामल रंग लजवन्ती बन
घुले होली में आठों याम।

देख होली की रासलीला
अमराई के पक रहे आम,
हर नुक्कड़ के चर्चे में अब
राधा और किशन का नाम।

जैन राजेन्द्र गुलेच्छा 'राज'
9620212395

माहेश्वरी सभा के 'होली स्नेह मिलन कार्निवल' में दिखा संस्कृति व मनोरंजन का जलवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा रविवार को बन्नरघट्टा रोड स्थित एक रिसोर्ट में 'होली स्नेह मिलन कार्निवल-2026' का आयोजन किया गया। कार्निवल का विधिवत उद्घाटन सभा के अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी के साथ अन्य सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारियों, समाज के वरिष्ठ सदस्यों एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा भगवान महेश की पूजन, दीप प्रज्वलन तथा संगीतमय वंदना के साथ हुआ। अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी ने सभी का स्वागत किया तथा कहा कि होली सामाजिक एकता, प्रेम और सौहार्द का पर्व है, जो रंगों के माध्यम से सभी भेदभाव मिटाकर लोगों को एक सूत्र में बांधता है। जिस प्रकार विभिन्न रंग मिलकर सुंदर इंद्रधनुष का निर्माण करते हैं, उसी प्रकार विविध विचार और अनुभव मिलकर एक सशक्त एवं समृद्ध समाज का निर्माण करते हैं।

कार्निवल एवं रंगारंग कार्यक्रम के विभिन्न प्रायोजकों का सम्मान किया गया।सचिव सत्यनारायण मालानी ने कार्यक्रम की रूपरेखा पेश की। इस होली स्नेह मिलन कार्निवल का आयोजन छोटे-बड़े सभी आयु वर्गों के परिवाजनों को ध्यान में रखते हुए किया गया। शेखावाटी धमाल ग्रुप के नूतन बैंगानी एवं मनोज दीक्षित ने चंग की थाप पर होली के गीत प्रस्तुत किए। सभी के मनोरंजन हेतु विभिन्न गेम्स स्टॉल लगाए गए, जिनका संचालन युवा संगठन की टीम द्वारा किया गया।

आयोजन में लगभग 1500 सदस्य परिवारजन उपस्थित थे। माहेश्वरी सभा की समस्त कार्यकारिणी टीम ने मिलकर कार्यक्रम को सुचारू एवं सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। संचालन कोषाध्यक्ष राजेश मारू ने किया। सह-कोषाध्यक्ष राजीव सामरिया ने धन्यवाद दिया।

लुनावत भवन में सांवलाराम देवासी का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भीनमाल नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन व भाजपा अजमेर जिले के संगठन प्रभारी सांवलाराम देवासी के बेंगलूरु आगमन पर रविवार को लुनावत जैन स्थानक भवन शांतिनगर में प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संघ के संयोजक भावेश देवासी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर सांवलाराम देवासी, कर्नाटक संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत व दानाराम देवासी का सम्मान देवासी समाज के अध्यक्ष शिवराम, पूर्व अध्यक्ष गोपालराम, अर्जुनराम व रामाराम, विक्रमसिंह, कुलदीपसिंह, धनाराम, गोमजी व जगाराम देवासी ने किया।सांवलाराम देवासी ने अपने संबोधन में बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं में प्रत्येक वर्ग को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने राजस्थान में आगामी पंचायतों के चुनाव को ओबीसी को उचित प्रतिनिधित्व देने हेतु संगठन स्तर पर प्रयास करने की सलाह दी तथा जो उम्मीदवार चुनाव लड़ने के इच्छुक हो वे अवश्य आगे आए और समाज उन्हें सहयोग करें। लुनावत ने उपस्थित सभी प्रवासियों को होली की अग्रिम शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि देवासी ने अपने चेयरमैन कार्यकाल में सभी वर्गों का सहयोग कर बहुत विकास करवाया व निरंतर पार्टी के संगठन के पदों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।भावेश देवासी ने सभी को धन्यवाद दिया।

अणुव्रत समिति ने 78वां अणुव्रत स्थापना दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय अणुव्रत समिति के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी एवं आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में सहकारनगर स्थित भवन में 78वाँ अणुव्रत स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। मुनिश्री पुलकित कुमारजी एवं आदित्य मुनिजी ने आचार्यश्री तुलसी के अणुव्रत आंदोलन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल ने सभी का स्वागत करते हुए आचार्य तुलसी के अवदान अणुव्रत के छोटे छोटे नियमों को अपनाने का संकल्प दिलवाया। इस मौके पर समिति के सूरजमल पितलिया, कविता जैन, रूपचंद देसरला ने अणुव्रत गीत का संगान किया एवं अणुव्रत ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अनेक सदस्य भी उपस्थित थे। आशीष चोरड़िया ने धन्यवाद दिया। एक अन्य कार्यक्रम में तमिलनाडु के सुवर्णा विनायकरा मंदिर में मंत्री लाभेश कांसवा एवं सहमंत्री सुरेश चावत ने स्थानीय लोगों के साथ नशामुक्ति संकल्प पत्रों का वितरण किया एवं लोगों को जागरूक किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**